TV उत्तरशक्ति NEWS

मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 9 अंक 73
मंगलवार, 22 सितम्बर 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

राम मंदिर चंदा चोरी मामलाः एसआईटी चार दिन के अंदर दाखिल करेगी पहली चार्जशीट

नई दिल्ली, 21 सितम्बर। अयोध्या में राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में अब चार्जशीट दाखिल करने की समय सीमा पूरी होने वाली है। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट में यूपी सरकार ने कहा कि एसआईटी की जांच लगभग पूरी हो चुकी है और जल्द ही चार्जशीट दाखिल होगी।

यूपी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि अयोध्या राम मंदिर चंदा चोरी मामले में दो दिनों के भीतर आरोप पत्र दाखिल कर दिया जाएगा। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने यह बयान भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति वी मोहना की पीठ के समक्ष दिया।

मेहता ने कहा कि पहली गिरफ्तारी की तारीख से नब्बे दिनों की अवधि 25 सितंबर को समाप्त हो जाएगी, और यदि उससे पहले आरोप पत्र दाखिल नहीं किया जाता है, तो आरोपी को जमानत नहीं मिलेगी। हम दो दिनों के भीतर याचिका दायर कर देंगे।

सॉलिसिटर जनरल ने पीठ को यह भी बताया कि विशेष जांच दल ने जांच के संबंध में न्यायाधीशों को एक स्टेटस रिपोर्ट सौंप दी है। पीठ ने एसआईटी की स्थिति रिपोर्ट का भी अवलोकन किया।

मुख्य न्यायाधीश ने कहा, "SIT अब चार्जशीट दाखिल करना चाहती है, तो दाखिल करें। इस मामले में मजिस्ट्रेट आगे की कार्रवाई कानून के मुताबिक करें। कोर्ट ने यह भी साफ किया कि धाराओं को देखते हुए मामले में एडिशनल सेशंस जज (मजिस्ट्रेट नहीं) सुनवाई करेंगे। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में आज SIT जांच के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। जिसमें बताया गया कि सीसीटीवी फुटेज में दिखा है कि 105 बार चढ़ावा चोरी की घटना हुई। SIT की स्टेटस रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट ने पढ़ी। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट को यह भी बताया गया कि अब तक कितने लोगों को गिरफ्तार किया गया है और चंदा चोरी के क्या सबूत मिले हैं। कोर्ट को सीसीटीवी फुटेज, गवाहों के बयान और सबूतों की जानकारी दी गई। इसके साथ ही स्टेटस रिपोर्ट में बताया गया है कि आरोपियों की पहचान करने के लिए CCTV फुटेज और दूसरे मटीरियल का एनालिसिस कैसे किया गया है। कोर्ट ने सभी जानकारी को अपने रिकॉर्ड में लिया है।

जनता के पैसे का एक-एक पैसा गुणवत्तापूर्ण कार्य में लगे, विकास के साथ गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं : सिंधिया

ग्वालियर, 21 सितम्बर। केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने ग्वालियर के प्रमुख केंद्र महाराजा बाड़ा में बन रहे मल्टीलेवल कार पार्किंग का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने परियोजना की प्रगति, निर्माण कार्य की गुणवत्ता तथा विशेष रूप से बेसमेंट-3 में पानी की समस्या और उसकी निकासी की व्यवस्थाओं की विस्तार से जानकारी ली।

निरीक्षण के दौरान जिला प्रभारी मंत्री तुलसीराम सिलावट, कैबिनेट मंत्री नारायण सिंह कुशवाहा, कलेक्टर, नगर निगम आयुक्त सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा कि जनता के पैसे का एक-एक पैसा गुणवत्तापूर्ण कार्य में उपयोग होना चाहिए। विकास कार्यों में गति जरूरी है, लेकिन गुणवत्ता और निर्माण की सावधानियों से किसी भी स्थिति में समझौता नहीं किया जाना चाहिए।

उन्होंने बेसमेंट-3 में पानी की निकासी के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए कि पूरे विषय का समग्र एवं तकनीकी अध्ययन किया जाए। उन्होंने कहा कि पानी के आउटलेट और निकासी व्यवस्था का ऐसा स्थायी एवं सुरक्षित समाधान सुनिश्चित किया जाए, जिससे भविष्य में किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न न हो। उन्होंने कलेक्टर और नगर निगम आयुक्त सहित संबंधित अधिकारियों को इस विषय की लगातार मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा कि महाराजा बाड़ा मल्टीलेवल कार पार्किंग ग्वालियर के लिए एक महत्वपूर्ण परियोजना है। स्मार्ट सिटी योजना के तहत विकसित की जा रही इस परियोजना से महाराजा बाड़ा क्षेत्र में पार्किंग व्यवस्था को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्माण कार्य में आवश्यक गति लाने के साथ गुणवत्ता के उच्च मानकों को बनाए रखने के निर्देश दिए।

ममता बनर्जी की याचिका पर शीघ्र सुनवाई को तैयार सुप्रीम कोर्ट, चुनाव आयोग के आदेश को दी चुनौती

नई दिल्ली, 21 सितम्बर। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की पार्टी के नाम और चुनाव चिन्ह को फ्रीज करने के चुनाव आयोग के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट शीघ्र सुनवाई के लिए राजी हो गया है। सोमवार को ममता बनर्जी की ओर से मामले पर जल्द सुनवाई का आग्रह किया गया जिस पर कोर्ट ने मामले को जल्दी सूचीबद्ध करने सहमति जताई।

सोमवार को ममता बनर्जी की ओर से पेश वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष मामले का उल्लेख किया और जल्दी सुनवाई की मांग की। सिब्बल ने कहा कि वे अधिसूचना जारी करते हैं और अधिसूचना के बीच में ही चुनाव चिन्ह को फ्रीज कर देते हैं।

सिब्बल ने कहा कि कार्यवाही जून में शुरू हुई थी और जुलाई में हमने अपना जवाब दाखिल किया था और फिर उन्होंने नोटीफिकेशन जारी किया और नोटीफिकेशन के बीच में ही चुनाव चिन्ह फ्रीज कर दिया। इसलिए मैं तुरंत सुनवाई चाहता हूं। इस सब पर रोक चाहता हूं। चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि अभी बहस न करें। जब मामला लगेगा तो दोनों पक्षों के पास अपनी दलीलें होंगी।

मालूम हो कि पश्चिम बंगाल के नंदीग्राम उपचुनाव होना है और उसकी अधिसूचना जारी हो चुकी है। ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस पर दोनों गुटों ममता बनर्जी गुट और अरूप राय गुट की ओर से मूल पार्टी और चुनाव चिन्ह पर दावा किया जा रहा है।

मामला चुनाव आयोग में फिलहाल लंबित है। इस बीच पश्चिम बंगाल में नंदीग्राम में उपचुनाव की अधिसूचना निकल गई तो चुनाव आयोग ने उपचुनाव के लिए दोनों गुटों को फूल का जोड़ा घास चुनाव चिन्ह उपयोग करने से रोक दिया था और ये चुनाव चिन्ह और पार्टी का मूल नाम फ्रीज कर दिया था। ममता बनर्जी ने इसे ही सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है।

आईपीएल 2027: जहीर खान बने चेन्नई सुपर किंग्स के मुख्य कोच, फ्लेमिंग की लेंगे जगह; अगले सत्र से पहले बड़ा कदम

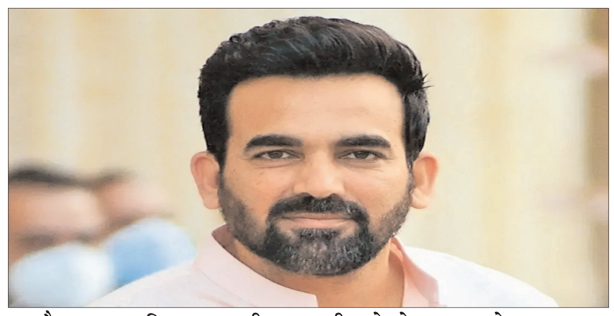

चेन्नई, 21 सितम्बर। भारतीय टीम के पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के मुख्य कोच बन गए हैं। सीएसके ने सोमवार को सोशल मीडिया के जरिये जहीर की नियुक्ति का एलान किया। जहीर स्टीफन फ्लेमिंग की जगह लेंगे जिन्होंने आईपीएल 2026 सीजन के बाद मुख्य कोच पद से इस्तीफा दिया था। सीएसके और स्टीफन फ्लेमिंग ने आपसी सहमति से एक-दूसरे से अलग होने का फैसला किया था जिसके बाद चेन्नई ने जहीर को ये जिम्मेदारी सौंपी है।

फ्लेमिंग लंबे समय से सीएसके के मुख्य कोच के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे थे, लेकिन आईपीएल 2026 के सीजन के कुछ महीने बाद ही उन्होंने इस टीम का साथ छोड़ने का फैसला कर लिया था। स्टीफन फ्लेमिंग साल 2008 में आईपीएल के पहले सीजन में एक खिलाड़ी के रूप में चेन्नई सुपर किंग्स से जुड़े थे। इसके बाद साल 2009 में उन्होंने टीम के मुख्य कोच की कमान संभाली। पिछले 17 वर्षों से सीएसके और फ्लेमिंग का साथ मजबूती से रहा और फ्रेंचाइजी ने कई सफलताएं हासिल की। फ्लेमिंग के मार्गदर्शन में सीएसके ने सफलता के नए आयाम छुए। उनके कोच रहते सीएसके ने पांच आईपीएल ट्रॉफी और दो बार चैंपियंस लीग टी20 का खिताब अपने नाम किया। इतनी ही नहीं, सीएसके ने रिकॉर्ड 12 बार प्लेऑफ में जगह बनाई और 10 बार आईपीएल के फाइनल में पहुंची।

सीएसके की टीम आखिरी बार 2023 में आईपीएल की चैंपियन बनी थी, लेकिन इसके बाद से टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। सीएसके की टीम लगातार तीन सीजन तक प्लेऑफ के लिए भी क्वालिफाई नहीं कर सकी। 2024, 2025 और 2026 में टीम का सफर ग्रुप चरण में ही थम गया था। 2024 में सीएसके पांचवें स्थान पर रही, जबकि 2025 में सबसे नीचे 10वें स्थान पर रही थी। वहीं, 2026 सीजन में टीम ने आठवें स्थान पर रहकर अपने अभियान का अंत किया था। अब अगले सत्र से पहले कोचिंग में बदलाव करना यह संकेत देता है कि टीम आईपीएल 2027 में जोरदार वापसी की तैयारी में जुट गई है। ऐसे में जहीर के सामने चुनौती है कि इस टीम को उस स्तर पर दोबारा पहुंचाया जाए जिसके लिए टीम मशहूर है।

2017 में आईपीएल से संन्यास लेने के बाद जहीर ने कई अलग-अलग भूमिकाओं में काम किया है। तीन टीमों आरसीबी, मुंबई और दिल्ली के लिए खेलने के बाद उन्हें आईपीएल 2019 से पहले मुंबई इंडियंस का क्रिकेट ऑपरेशन का निदेशक बनाया गया और बाद में वे टीम के ग्लोबल डेवलपमेंट हेड बने। उन्हें आईपीएल 2025 के लिए लखनऊ सुपर जाएंट्स का मेंटर नियुक्त किया गया था, लेकिन अगले सीजन से पहले ही वे इस फ्रेंचाइजी से अलग हो गए। एक खिलाड़ी के तौर पर जहीर ने 100 आईपीएल मैच खेले और 27.27 की औसत से 102 विकेट लिए। यह उनके शानदार भारतीय करियर का ही एक हिस्सा था, जिसमें उन्होंने सभी प्रारूप में कुल 610 विकेट लिए थे।

बांग्लादेश में फिर हिंदू मंदिर निशाने पर, मां काली की मूर्ति समेत सोने-चांदी के सामान चोरी

ढाका। बांग्लादेश में हिंदू मंदिरों और धार्मिक स्थलों की सुरक्षा को लेकर चिंता के बीच फरीदपुर शहर के उत्तर कालीबाड़ी मंदिर से मां काली की प्रतिमा समेत कई धार्मिक वस्तुएं चोरी होने का मामला सामने आया है। स्थानीय मीडिया द डेली स्टार के अनुसार चोरी शनिवार रात करीब साढ़े 10 बजे से रविवार सुबह पौने 6 बजे के बीच हुई। मंदिर प्रबंधन के मुताबिक चोर मंदिर के दरवाजे और लोहे के शटर पर लगे कई ताले तोड़कर अंदर दाखिल हुए। चोरी की गई वस्तुओं में काली की काले पत्थर की प्रतिमा, उस पर चढ़े करीब 7-8 तोले सोने के आभूषण, भगवान विष्णु, राधा-कृष्ण और मनसा की छोटी पीतल की प्रतिमाएं तथा शिवलिंग के चारों ओर लिपटा करीब 8-10 तोले वजन का चांदी का नाग शामिल है।

मंदिर के पुजारी देवी प्रसाद चक्रवर्ती के अनुसार काली की प्रतिमा सफेद संगमरमर की शिव प्रतिमा के ऊपर स्थापित थी। चोर सफेद संगमरमर की शिव प्रतिमा को वहीं छोड़ गए, लेकिन उसके ऊपर लगी काली की प्रतिमा उठा ले गए। पुजारी के मुताबिक दोनों प्रतिमाओं की संयुक्त संरचना का वजन करीब 40 किलोग्राम था और अकेली काली प्रतिमा का वजन कम से कम 20 किलोग्राम था। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि चोरों ने चोरी को अंजाम देने के लिए पहले से तैयारी की होगी।मंदिर प्रबंधन समिति के अध्यक्ष कुशल चक्रवर्ती ने बताया कि मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरे काम नहीं कर रहे थे।

रूस-सऊदी पर हमलों से तेल आपूर्ति चालू रखने की चुनौती, महंगे क्रूड से साथ ढुलाई की लागत भी बढ़ी

नई दिल्ली, 21 सितम्बर। सऊदी अरब की ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन और रूस की प्रमुख रिफाइनरियों पर हाल के हमलों ने भारत की कच्चे तेल आपूर्ति व्यवस्था पर दबाव बढ़ा दिया है। हाल के महीनों में दोनों देशों से संयुक्त तौर पर भारत अपनी कुल तेल आयात का 45-50 फीसद या इससे भी ज्यादा आयात करता रहा है। सऊदी अरब में 10-11 सितंबर को इराक से आए ड्रोन हमलों में पाइपलाइन के पंपिंग स्टेशनों को नुकसान पहुंचा, जिसके बाद सऊदी ने पाइपलाइन एहतियातन बंद कर दी। जबकि यूक्रेन ने 19-20 सितंबर को एक साथ हजारों ड्रोन से हमला करके रूस की मॉस्को रिफाइनरी में प्रोसेसिंग यूनिट्स को नुकसान पहुंचाया है। इसके बाद रूस ने अपने सभी तेल प्रतिष्ठानों व बंदरगाहों की समीक्षा शुरू की है जिससे माना जा रहा है कि तात्कालिक तौर पर उसका तेल कारोबार सीमिति होगा। अमेरिकी प्रतिबंधों की तलवार वैसे ही रूस से भारत के तेल सौदे पर लटकी हुई है, यूक्रेनी हमले के बाद अनिश्चितता और गहरी हो गई है। तेल उद्योग के जानकारों का कहना है कि होर्मुज जलडमरूमध्य के बाधित होने के बाद सऊदी अरब पाइपलाइन के जरिए ही पुराने सौदों के मुताबिक तेल की बिक्री कर रहा था। ताजी घटना यह है कि सऊदी अरामको ने भारतीय रिफाइनरियों को टर्म सप्लाई फिलहाल रोक दी है। युद्ध शुरू होने के बाद सऊदी भारत की कुल जरूरत का करीब नौ प्रतिशत तेल दे रहा था। भारत को तेल आपूर्ति पर जारी अनिश्चितता के साफ होने में कुछ हफ्तों का समय लग सकता है क्योंकि सऊदी अरब के क्षतिग्रस्त प्रतिष्ठानों को ठीक करने में चार से छह हफ्ते लग सकते हैं।

TIWARI'S SARASWATI CLASSES
Since 1992
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director
ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)
✓ 34+ Years of Academic Excellence
✓ Experienced & Dedicated Faculty
✓ Personal Attention
✓ Printed Notes & Regular Tests
✓ Strong Foundation for Boards & Competitive Exams
Santacruz Branch
101 Sai Chambers,
Opp. Santacruz Railway Station (East),
Near Depot, Santacruz (E), Mumbai-400055
Sion Branch
Opp. SIES College (Old),
Near Gurukripa Hotel,
Sion (West), Mumbai
Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW:
7738007373

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकित्सा उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg.
Near Diamond Talkies,
L. T. Road, Borivali (West)
Mumbai - 400 092
Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

SMART CLASSROOM
(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
• Std. XI & XII (Sci.)
• NEET
• JEE (Main & Advance)
• MHT-CET
• Polytechnic & Engg
• Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

पिघलते ग्लेशियर और खोखले होते पहाड़: चेतावनी सुने

-ललित गर्ग

हिमालय केवल बर्फ से ढकी पर्वत-शृंखला नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों के जीवन, जल, कृषि, ऊर्जा और पर्यावरण का आधार है। लेकिन जलवायु परिवर्तन और पहाड़ों की वहन-क्षमता की अनदेखी करते हुए हो रहे निर्माण ने हिमालयी क्षेत्र को एक ऐसे संकटभरे दौर में पहुंचा दिया है, जहां प्राकृतिक आपदाएं अब केवल अचानक आने वाली घटनाएं नहीं रह गई हैं, बल्कि उनके पीछे लंबे समय से बन रही पर्यावरणीय अस्थिरता दिखाई देने लगी है। 26 अगस्त 2026 को नेपाल में हुई विनाशकारी रॉक-आइस अवलांच और उसके बाद आई मलबा-बाढ़ ने इस खतरे को अत्यंत भयावह रूप में सामने रखा है। विश्व मौसम विशेषता अध्ययन के अनुसार उस घटना में 1,300 से अधिक लोगों की मौत हुई और 5,000 से अधिक लोग लापता रहे। वैज्ञानिकों ने इसे केवल किसी एक मौसमीय घटना का परिणाम न मानकर जलवायु और भूगर्भीय कारकों के सम्मिलित प्रभाव से बनी त्रासदी बताया है।

नेपाल की घटना को समझना इसलिए जरूरी है क्योंकि यह परंपरागत अर्थों में केवल ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड नहीं थी। लैंगटांग लिरुंग पर्वत से करीब 5,150 मीटर की ऊंचाई से चट्टान और बर्फ का विशाल हिस्सा टूटकर नीचे गिरा और आगे चलकर मलबे तथा पानी की भयावह बाढ़ में बदल गया। वैज्ञानिक विश्लेषण के मुताबिक गर्म होते वातावरण, ग्लेशियरों के पतले होने, पर्माफ्रॉस्ट के पिघलने और पहले से मौजूद भूगर्भीय कमजोरियों ने पहाड़ी ढलान की स्थिरता को प्रभावित किया। 26 अगस्त की घटना में चट्टान, बर्फ और मलबे का प्रवाह इतनी तेजी से नीचे आया कि उसने रास्ते में बसे क्षेत्रों, पुलों, सड़कों और जलविद्युत ढांचे को भारी नुकसान पहुंचाया। यह त्रासदी हिमालय के लिए एक गंभीर संकेत इसलिए भी है क्योंकि ग्लेशियर के पीछे हटने के साथ नई ग्लेशियल झीलें बन रही हैं और पुरानी झीलों का आकार बढ़ रहा है। इन झीलों को रोकने वाले प्राकृतिक बांध यदि बर्फ, चट्टान, मलबे, भूस्खलन या जल-दबाव से टूटते हैं तो कुछ ही समय में नीचे की घाटियों में विनाशकारी बाढ़ पहुंच सकती है। भारत के लिए यह चेतावनी बिल्कुल प्रासंगिक है। सिक्किम में हालिया आकलन में 40 उच्च-जोखिम वाली ग्लेशियल झीलों की पहचान हुई है, जिनमें 16 को सर्वाधिक जोखिम वाली श्रेणी में रखा गया है। राज्य सरकार और केंद्रीय एजेंसियां अब रिमोट सेंसिंग, फील्ड स्टडी, जल-स्तर एवं डिस्चार्ज मॉनिटरिंग और अर्ली-वॉर्निंग सिस्टम को मजबूत करने की दिशा में काम कर रही हैं।

हिमाचल प्रदेश की स्थिति भी कम चिंताजनक नहीं है। आईआईटी मंडी के अध्ययन में 2025 में 3,500 मीटर से अधिक ऊंचाई पर 2,076 ग्लेशियल झीलें दर्ज की गईं, जो 2015 की तुलना में 710 अधिक हैं। इसी अवधि में इन झीलों का सामूहिक क्षेत्रफल 28.45 प्रतिशत बढ़ा। यह आंकड़ा बताता है कि हिमालयी जल-भूगोल कितनी तेजी से बदल रहा है। समस्या केवल ग्लेशियरों के पिघलने तक सीमित नहीं है। हिमालय में तापमान बढ़ने से बर्फ और पर्माफ्रॉस्ट कमजोर हो रहे हैं, वहीं दूसरी ओर सड़क, सुरंग, बांध, जलविद्युत परियोजनाओं, पर्यटन सुविधाओं और अनियंत्रित निर्माण का दबाव पहाड़ों की प्राकृतिक संरचना पर बढ़ रहा है। पहाड़ मैदान नहीं हैं कि उन्हें काटकर, खोदकर और भारी निर्माण करके उनकी प्रकृति के अनुरूप ढाला जा सके। पहाड़ों की अपनी भूगर्भीय सीमाएं, जलधारण क्षमता, ढलान और पारिस्थितिक संतुलन होता है। इन सीमाओं की अनदेखी अंततः भूस्खलन, मलबा-बाढ़ और ढांचागत तबाही के रूप में सामने आ सकती है। इस संदर्भ में विकास-विरोधी दृष्टिकोण अपनाना समाधान नहीं है, लेकिन विकास की परिभाषा और उसकी पद्धति पर पुनर्विचार करना अनिवार्य है। सड़क और बिजली चाहिए, पर्यटन भी चाहिए, रोजगार भी चाहिए, मगर यह सब हिमालय की वहन-क्षमता के अनुरूप होना चाहिए।

भारत के लिए अब सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता एक समेकित हिमालयी निगरानी और पूर्व चेतावनी तंत्र विकसित करने की है। केवल किसी एक राज्य की सीमा में खतरे को देखने से काम नहीं चलेगा। ग्लेशियर सिक्किम में हो सकता है, झील उत्तराखंड में और उसका संभावित बाढ़-मार्ग किसी दूसरे जिले या राज्य तक पहुंच सकता है। इसलिए उपग्रह, ड्रोन, रिमोट सेंसिंग, स्वचालित जल-स्तर सेंसर, मौसम केंद्र और जमीनी निगरानी को एक साझा डिजिटल नेटवर्क से जोड़ना होगा। खतरे की सूचना केवल जिला मुख्यालय तक न रहे, बल्कि गांव, स्कूल, अस्पताल, सेना-चौकी, पर्यटन केंद्र, जलविद्युत परियोजना और नदी किनारे की बस्तियों तक वास्तविक समय में पहुंचनी चाहिए। इसके साथ ही केवल चेतावनी देना पर्याप्त नहीं है। चेतावनी के बाद क्या करना है, इसकी तैयारी भी उतनी ही जरूरी है। प्रत्येक संवेदनशील घाटी के लिए स्पष्ट निकासी मार्ग, सुरक्षित स्थान, वैकल्पिक सड़कें और संचार व्यवस्था तय हो। स्थानीय लोगों, पर्यटकों और परियोजना कर्मियों को नियमित मॉक ड्रिल के माध्यम से प्रशिक्षित किया जाए। आपदा के समय पहले पांच-दस मिनट कई बार पूरे बचाव अभियान की दिशा तय कर सकते हैं।

जलवायु परिवर्तन का एक और गंभीर पहलू है-आज का संकट केवल बाढ़ का नहीं, कल के जल-संकट का भी हो सकता है। ग्लेशियरों के तेजी से पिघलने से शुरूआती वर्षों में नदियों में पानी बढ़ सकता है, लेकिन जब ग्लेशियरों का भंडार लगातार घटता जाएगा तो गर्मियों में स्थायी जलप्रवाह प्रभावित हो सकता है। हिमालयी नदियों पर निर्भर कृषि, पेयजल, ऊर्जा और करोड़ों लोगों की आजीविका के लिए यह दीर्घकालीन चुनौती है। हालिया आकलनों में हिमालय पर निर्भर आर्थिक गतिविधियों को भारत की अर्थव्यवस्था के पांचवें हिस्से से अधिक से जोड़ा गया है, हालांकि यह आंकड़ा संभावित आर्थिक नुकसान नहीं, बल्कि हिमालयी जल-तंत्र पर आर्थिक निर्भरता को दर्शाता है। ब्लैक कार्बन और प्रदूषण भी चिंता का विषय हैं। हालिया रिपोर्टों में हिमालयी ग्लेशियरों के द्रव्यमान-हानि की गति में तेज वृद्धि और ब्लैक कार्बन की भूमिका की ओर ध्यान दिलाया गया है। इसलिए हिमालय की सुरक्षा को केवल वन विभाग या आपदा प्रबंधन विभाग का विषय मानना पर्याप्त नहीं होगा। ऊर्जा, सड़क, पर्यटन, उद्योग, जलविद्युत, शहरी विकास और पर्यावरण-सभी विभागों की नीतियों में हिमालयी जोखिम को केंद्रीय स्थान देना होगा।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हिमालय की समस्या सीमाओं से बड़ी है। भारत, नेपाल, भूटान, चीन और पाकिस्तान के हिमालयी एवं हिंदूकुश क्षेत्रों में जलवायु, ग्लेशियर, नदियां और पर्वतीय पारिस्थितिकी एक-दूसरे से जुड़ी हैं। इसलिए साझा वैज्ञानिक डाटाबेस, उपग्रह सूचनाओं का आदान-प्रदान, ग्लेशियल झीलों की संयुक्त निगरानी और सीमा-पार अर्ली-वॉर्निंग व्यवस्था विकसित करना समय की आवश्यकता है। किसी ऊंची घाटी में होने वाली घटना का असर नीचे की पूरी नदी प्रणाली पर पड़ सकता है। नेपाल की त्रासदी को केवल एक देश की प्राकृतिक आपदा मानकर भूल जाना सबसे बड़ी भूल होगी। उसने हमें बताया है कि जलवायु परिवर्तन और भूगर्भीय अस्थिरता मिलकर ऐसी आपदाओं को जन्म दे सकती हैं जिनके सामने पारंपरिक आपदा-प्रबंधन की क्षमता भी सीमित पड़ सकती है। वैज्ञानिकों ने चेताया है कि 26 अगस्त की घटना में जलवायु परिवर्तन को अकेला कारण नहीं माना जा सकता, भूगर्भीय संरचना और पूर्व की भूकंपीय गतिविधियां भी महत्वपूर्ण थीं। लेकिन लंबे समय का तापमान बढ़ना, बर्फ का क्षरण और पर्माफ्रॉस्ट का पिघलना जोखिम को बढ़ाने वाले कारक बने।

अब जरूरत भय पैदा करने की नहीं, भविष्य के खतरे को स्वीकार कर विवेकपूर्ण निर्णय लेने की है। हिमालय को जितना समझेंगे, उतना ही सुरक्षित रख सकेंगे। विकास और पर्यावरण को परस्पर विरोधी मानने के बजाय ऐसा विकास मॉडल बनाना होगा जिसमें पहाड़ की प्रकृति, उसकी वहन-क्षमता और स्थानीय समुदायों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता हो। नेपाल की त्रासदी हमारे लिए एक कठोर चेतावनी है-प्रकृति को चुनौती देकर बनाया गया विकास लंबे समय तक विकास नहीं रह सकता। अब हिमालय में हर सड़क, हर सुरंग, हर बांध, हर पर्यटन परियोजना और हर निर्माण से पहले यह सवाल पूछा जाना चाहिए कि इससे पहाड़ पर कितना दबाव पड़ेगा और किसी चरम प्राकृतिक घटना की स्थिति में इसकी कीमत कौन चुकाएगा। समय रहते निगरानी, वैज्ञानिक आकलन, सीमित एवं सुरक्षित निर्माण और क्षेत्रीय सहयोग की दिशा में कदम उठाए गए तो अनेक जिंदगियां बचाई जा सकती हैं। लेकिन यदि चेतावनियों को नजरअंदाज किया गया, तो आने वाली त्रासदियां केवल प्राकृतिक आपदाएं नहीं होंगी-वे हमारी विकास-दृष्टि की विफलता का परिणाम भी मानी जाएंगी।

2027 का उत्तर प्रदेश दंगलः समाजवाद की नई राजनीतिक रंगोली या महज अवसरवाद का मुखौटा?

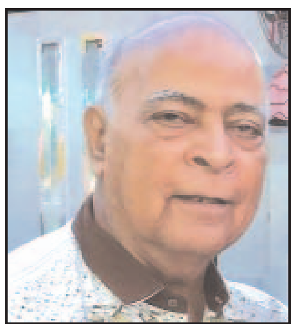
अशोक भाटिया

उत्तर प्रदेश की राजनीति को देश के सत्ता मार्ग का सबसे बड़ा प्रवेश द्वार माना जाता है। यहाँ का हर चुनावी समर राजनीतिक सिद्धांतों, सामाजिक इंजीनियरिंग और रणनीतिक पैंतरों की एक नई प्रयोगशाला बन जाता है। इस समय सूबे की सियासत 2027 के विधानसभा चुनावों की आहट से पूरी तरह गर्म हो चुकी है। इस बार का विमर्श लोक-कल्याणकारी नीतियों या पारंपरिक विकास मॉडलों पर कम, बल्कि समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव के ॾबदलते वैचारिक और प्रतीकात्मक रंगोंॾ पर ज्यादा केंद्रित है। कभी लाल टोपी और हरे झंडे के पर्याय रहे अखिलेश यादव के इस नए राजनीतिक कलेवर ने उत्तर प्रदेश के पूरे राजनीतिक परिदृश्य को एक नई बहस में झोंक दिया है। उनके इस नए तेवर को जहां विपक्षी दल चुनावी अवसरवाद और गिरगिट की तरह रंग बदलने की संज्ञा दे रहे हैं, वहीं सपा के रणनीतिकार इसे बहुजन और वंचित समाज को एकजुट करने की एक व्यापक 'हाइब्रिड सोशल इंजीनियरिंग' के रूप में देख रहे हैं। ऐसे में यह सवाल मौजूं हो जाता है कि 2027 के महासमर से पहले अखिलेश यादव का यह नया रूप किसी गहरे वैचारिक परिवर्तन का संकेत है या सत्ता तक पहुँचने का महज एक तात्कालिक और व्यावहारिक शॉर्टकट?

इस पूरे विवाद के केंद्र में सबसे पहला और चौंकाने वाला बदलाव समाजवादी पार्टी के आधिकारिक चुनाव प्रचार रथ पर देखने को मिला है। अखिलेश यादव ने 2027 की चुनावी यात्राओं के लिए जो नया रथ तैयार करवाया है, उसकी मुख्य रंग-योजना में इस बार 'भगवा' और पीत आभा को सबसे प्रमुखता से स्थान दिया गया है। 2022 के विधानसभा चुनाव में जहाँ सपा का रथ पूरी तरह लाल और हरे रंग के पारंपरिक समाजवादी रंग में रंगा था, वहीं इस बार भाजपा के सबसे मजबूत वैचारिक प्रतीक यानी 'भगवा रंग' का यह सीधा प्रवेश राजनीतिक विश्लेषकों को हैरान कर रहा है। इस रथ के माध्यम से सपा एक बेहद चतुर और बहुस्तरीय संदेश देने की कोशिश कर रही है। एक तरफ रथ पर भगवा पृष्ठभूमि के साथ बाबासाहेब आंबेडकर, डॉ. राम मनोहर लोहिया, आचार्य नरेंद्र देव और चौधरी चरण सिंह जैसे महापुरुषों की तस्वीरें हैं, जो सामाजिक न्याय के समेकित एजेंडे को दशार्ती हैं। दूसरी तरफ, भगवा रंग का उपयोग कर अखिलेश यादव भाजपा के उस आख्यान को कुंद करना चाहते हैं जो सपा को बहुसंख्यक विरोधी या एक वर्ग विशेष की पार्टी के रूप में चित्रित करता रहा है। यह 'सॉफ्ट हिंदुत्व' और 'सोशल जस्टिस' का एक ऐसा अनूठा मिश्रण है, जिसके माध्यम से सपा सवर्णों (विशेषकर सत्तारूढ़ व्यवस्था से असंतुष्ट ब्राह्मणों और राजपूतों) तथा गैर-यादव पिछड़ों को यह विश्वास दिलाना चाहती है कि समाजवादी पार्टी अब किसी एक जाति या धर्म की बपौती नहीं है बल्कि वह बहुसंख्यक समाज की सांस्कृतिक भावनाओं का भी उतना ही सम्मान करती है।

बात केवल रथ पर चढ़े भगवा रंग तक ही सीमित नहीं है, बल्कि समाजवादी कुनबे का यह वैचारिक विस्तार आगे बढ़कर 'नीले रंग' की ओर भी खिंचता हुआ दिखाई दे रहा है। पारंपरिक रूप से समाजवाद का प्रतिनिधित्व करने वाला 'लाल और हरा' रंग अब अपनी संपूर्ण एकाधिकारवादी पहचान खोता हुआ दिख रहा है। सपा की छात्र इकाई, 'समाजवादी छात्र सभा' ने हाल ही में अपने आधिकारिक परिधान (ड्रेस कोड) में नीली टी-शर्ट और जींस को शामिल कर लिया है, जिसके ऊपर लाल टोपी पहनी जा रही है। इसके अतिरिक्त, अखिलेश यादव स्वयं कई महत्वपूर्ण राजनीतिक बैठकों और जनसभाओं में नीले रंग का गमछा ओढ़े नजर आ रहे हैं। राजनीति में प्रतीकों का अपना एक अनूठा और गहरा महत्व होता है। नीला रंग दशकों से बहुजन समाज पार्टी (बसपा) और बाबासाहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की वैचारिक विरासत का मुख्य प्रतीक रहा है। सपा के इस 'नीले प्रेम' को सीधे तौर पर मायावती के कमजोर होते दलित जनाधार में सेंध लगाने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है। 2024 के लोकसभा चुनावों में सपा ने गैर-जाटव दलितों और अति-पिछड़ों के एक बड़े हिस्से का समर्थन हासिल कर शानदार सफलता दर्ज की थी। अब अखिलेश यादव उस क्षणिक सफलता को 2027 में एक स्थायी वोट बैंक में तब्दील करना चाहते हैं, जिसके लिए वे पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) के नारे को केवल जुबानी जमा-खर्च तक सीमित न रखकर पार्टी के दृश्य रूप (विजुअल अपीयरेंस) में भी ढाल रहे हैं।

हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
मार्गदर्शन

अखिलेश यादव की इस बदलती बहुरंगी रणनीति ने विपक्ष, विशेषकर बहुजन समाज पार्टी और भारतीय जनता पार्टी को हमला करने का एक बड़ा हथियार दे दिया है। बसपा सुप्रीमो मायावती ने इस पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए सपा के इस कदम को दलितों और पिछड़ों के साथ एक नया छल करार दिया है। उनका तर्क है कि जो समाजवादी पार्टी अपने शासनकाल में दलित महापुरुषों के नाम पर बने स्मारकों और जिलों के नाम बदलने में व्यस्त थी, वह आज केवल चुनाव जीतने के लिए नीले रंग का स्वांग रच रही है और उनका नया 'PDA रथ' उनके अपने लाल रंग से कम और आरएसएस-भाजपा के भगवा रंग में ज्यादा रंगा नजर आ रहा है। मायावती ने इसे ॾगिरगिट की तरह रंग बदलनाॾ और वैचारिक दिवालियापन कहा है। दूसरी ओर, भाजपा और उसके सहयोगी दल जैसे सुभासपा प्रमुख ओम प्रकाश राजभर इसे सपा का 'चुनावी पाखंड' बता रहे हैं। सत्तापक्ष का आरोप है कि सपा अपनी पुरानी 'मुस्लिम-यादव' (एम-वाई) समीकरण वाली छवि से डरी हुई है और बहुसंख्यक समाज के गुस्से से बचने के लिए अब भगवा और नीले रंग की आड़ ले रही है। विरोधियों का कहना है कि सिर्फ पोशाक और रथ का रंग बदल लेने से कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर सपा का पुराना ट्रैक रिकॉर्ड और अतीत की गलतियाँ जनता के मानस पटल से गायब नहीं हो सकतीं।

हालांकि, अगर इस पूरे घटनाक्रम का निष्पक्ष राजनीतिक विश्लेषण किया जाए, तो यह स्पष्ट होता है कि अखिलेश यादव की यह कवायद महज तात्कालिक प्रतिक्रिया नहीं बल्कि एक सोची-सोची 'लॉन्ग-टर्म' रणनीति का हिस्सा है। मुलायम सिंह यादव के दौर की समाजवादी पार्टी मुख्य रूप से एक क्षेत्रीय और विशिष्ट सामाजिक समीकरण पर आधारित पार्टी थी। अखिलेश यादव भली-भांति जानते हैं कि आज के उत्तर प्रदेश में केवल 'यादव और मुस्लिम' मतों के सहारे भाजपा जैसी साधन-संपन्न और वैचारिक रूप से मजबूत चुनावी मशीनरी को मात देना असंभव है। 2017, 2019 और 2022 की लगातार हारों ने सपा को यह सिखाया है कि सत्ता की सीढ़ी चढ़ने के लिए उसे अपनी सर्वसमावेशी स्वीकार्यता बढ़ानी होगी। इसलिए, उन्होंने '75 जिले, 75 घोषणापत्र' जैसी माइक्रो-लेवल प्लानिंग की शुरूआत की है, जो यह दशार्ती है कि सपा अब केंद्रीकृत राजनीति के बजाय जमीनी और स्थानीय मुद्दों को तरजीह दे रही है। '27 में 27 हजार' का नारा भी इसी सूक्ष्म रणनीति का हिस्सा है, जिसके तहत बूथ स्तर पर भाजपा के पारंपरिक वोटों को काटने और अपने पाले में जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। इस पूरे 'कलर गेम' का सबसे दिलचस्प पहलू यह है कि अखिलेश यादव इस प्रक्रिया में अपने कोर वोट बैंक यानी अल्पसंख्यकों को खोने का जोखिम भी उठा रहे हैं या कम से कम ऐसा विपक्ष को लगता है। जब मायावती यह सवाल उठाती हैं कि ॾक्या सपा का मुसलमानों से भरोसा उठ गया है?ॾ, तो वे वास्तव में मुस्लिम मतदाताओं के भीतर एक असुरक्षा की भावना पैदा करने का प्रयास कर रही होती हैं। लेकिन अखिलेश यादव की इस रणनीति के पीछे एक गहरा गणित है। उन्हें पता है कि उत्तर प्रदेश का अल्पसंख्यक मतदाता वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में भाजपा को हराने में सक्षम सबसे मजबूत विकल्प के साथ ही जाएगा, और वह विकल्प फिलहाल सपा ही है। इसलिए, मुस्लिम मतों के बिखरने का खतरा कम देखते हुए अखिलेश अपनी पूरी ऊर्जा उस बहुसंख्यक और दलित आबादी को जोड़ने में लगा रहे हैं जो अब तक उनसे दूर रही थी। यह एक बड़ा राजनीतिक जुआ है, जिसमें यदि वे सफल रहे तो भारतीय राजनीति में सामाजिक न्याय का एक नया अध्याय लिखा जाएगा, और यदि विफल रहे तो पार्टी अपने पारंपरिक आधार से भी हाथ धो सकती है।

देखा जाय तो राजनीति में 'रंगों का बदलना' कोई नई बात नहीं है। विचारधाराएं समय के साथ अपनी प्रासंगिकता और व्यावहारिकता के अनुसार खुद को ढालती आई हैं। अखिलेश यादव का यह नया अवतार इस बात का प्रमाण है कि वे अब जूनियर यादव या एक विरासत संभालने वाले नेता की छवि से बाहर निकलकर खुद को उत्तर प्रदेश के एक सर्वमान्य और परिपक्व जननेता के रूप में स्थापित करना चाहते हैं। उनका यह बहुरंगी दृष्टिकोण भारतीय लोकतंत्र के उस व्यावहारिक रूप को दिखाता है जहाँ चुनाव जीतने के लिए प्रतीकों का विलय और वैचारिक सीमाओं का लचीला होना अनिवार्य शर्त बन जाता है। क्या जनता उनके इस 'नीले-भगवा-लाल-हरे' इंद्रधनुषी गठबंधन को स्वीकार करेगी या इसे केवल एक चुनावी छलावा मानकर खारिज कर देगी, इसका फैसला 2027 के मतपेटियों से ही होगा। लेकिन एक बात तो तय है कि अखिलेश यादव के इन बदलते रंगों ने उत्तर प्रदेश के आगामी विधानसभा चुनाव को बेहद दिलचस्प, पेचीदा और अप्रत्याशित बना दिया है, जिसने विरोधियों को अपनी रणनीतियाँ नए सिरे से तैयार करने पर मजबूर कर दिया है।

दीपक की लौ और हमारी सांस्कृतिक संवेदना

- डॉ. सत्यवान सौरभ

आप दीप जलाते हैं या नहीं जलाते, यह आपका व्यक्तिगत निर्णय है। किसी धार्मिक परंपरा को मानना, उससे दूरी रखना या अपने तरीके से उसका पालन करना–लोकतांत्रिक समाज में यह व्यक्ति की स्वतंत्रता का विषय है। लेकिन जब व्यक्तिगत पसंद या राजनीतिक असहमति की अभिव्यक्ति किसी धार्मिक प्रतीक और सांस्कृतिक परंपरा के सार्वजनिक उपहास तक पहुँच जाती है, तब सवाल केवल एक दीपक का नहीं रह जाता। सवाल यह होता है कि असहमति जताते समय हम दूसरों की आस्था और सांस्कृतिक संवेदनाओं का कितना सम्मान करते हैं।

भारतीय संस्कृति में दीपक का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। दीपावली का पूरा भाव ही प्रकाश, आशा और अंधकार पर प्रकाश की विजय से जुड़ा है। घर, मंदिर और अनेक शुभ अवसरों पर दीप प्रज्वलित करने की परंपरा पीढ़ियों से चली आ रही है। संध्या समय दीप जलाने की परंपरा भी अनेक भारतीय परिवारों में आज तक दिखाई देती है। इसलिए किसी के लिए दीप केवल तेल, बाती और मिट्टी से बनी वस्तु नहीं है; वह श्रद्धा, शुभता, ज्ञान और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक भी है।

इसी भाव को संस्कृत की प्रसिद्ध प्रार्थना में व्यक्त किया गया है– ह्वदीपो ज्योतिः परं ब्रह्म, दीपो ज्योतिर्जनार्दनः। दीपो हरतु मे पापं, संध्यादीप नमोऽस्तुते॥ह्व अर्थात दीपक की ज्योति को परम प्रकाश के रूप में नमन किया गया है और उससे अज्ञान तथा नकारात्मकता दूर होने की कामना की गई है। यही कारण है कि किसी सनातनी परिवार में दीप प्रज्वलित होना केवल एक सामान्य घरेलू गतिविधि नहीं, बल्कि धार्मिक और सांस्कृतिक आस्था से जुड़ा संस्कार हो सकता है।

इसलिए दीप जलाना किसी पर थोपा नहीं जाना चाहिए, लेकिन दीप जलाने वाले व्यक्ति की आस्था का मजाक उड़ाना भी उचित नहीं माना जाना चाहिए। व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अर्थ केवल अपनी पसंद की स्वतंत्रता नहीं, बल्कि दूसरे की पसंद और आस्था के सम्मान की जिम्मेदारी भी है। इसी के साथ यह भी महत्वपूर्ण है कि जब किसी धार्मिक प्रतीक को किसी राजनीतिक आयोजन से जोड़ दिया जाता है, तो उस आयोजन पर सवाल उठना स्वाभाविक है। कोई व्यक्ति यह पूछ सकता है कि सार्वजनिक संस्थानों में किसी राजनीतिक कार्यक्रम की भूमिका क्या होनी चाहिए, उसमें भागीदारी स्वैच्छिक है या नहीं और सरकारी संसाधनों का उपयोग किस सीमा तक उचित है।

यहीं राजनीतिक आयोजन की आलोचना और सांस्कृतिक प्रतीक के अपमान के बीच अंतर करना जरूरी हो जाता है। यदि किसी कार्यक्रम में दीप जलाने को लेकर आपत्ति है, तो सवाल कार्यक्रम की राजनीतिक प्रकृति, प्रशासनिक भूमिका, खर्च या सहभागिता के तरीके पर होना चाहिए। स्वयं दीपक, पूजा या सनातन परंपरा को निशाना बनाना बहस को दूसरी दिशा में ले जाता है। इसी तरह, यदि कोई व्यक्ति राजनीतिक आयोजन का विरोध करता है, तो केवल इस आधार पर उसे भारतीय संस्कृति या धर्म-विरोधी कहना भी उचित नहीं होगा।

आज सोशल मीडिया ने हर व्यक्ति को अपनी बात रखने का मंच दिया है। इसके साथ एक समस्या भी आई है– व्यंग्य और आलोचना के बीच की सीमा कई बार धुंधली हो जाती है। कुछ शब्द या चित्र कुछ लोगों को सामान्य राजनीतिक व्यंग्य लग सकते हैं, लेकिन वही सामग्री किसी दूसरे व्यक्ति के लिए उसकी आस्था का अपमान महसूस हो सकती है। इसलिए सोशल मीडिया की स्वतंत्रता के साथ सामाजिक संवेदनशीलता भी जरूरी है। जन्मदिन पर मोमबत्ती बुझाने की परंपरा का उदाहरण भी इसी संदर्भ में सामने आता है। आज जन्मदिन के अवसर पर केक काटना और मोमबत्तियां बुझाना व्यापक रूप से प्रचलित है। दूसरी ओर, भारतीय धार्मिक परंपरा में दीपक को शुभता और प्रकाश का प्रतीक मानने वाले लोग इसे अलग दृष्टि से देखते हैं। दोनों परंपराओं के सांस्कृतिक संदर्भ अलग हैं। इसलिए किसी एक को अपनाने या दूसरे से दूरी रखने को अपने आप में किसी व्यक्ति की देशभक्ति या संस्कृति के प्रति निष्ठा का प्रमाण नहीं बनाया जाना चाहिए। फिर भी एक विचारणीय प्रश्न अवश्य है–क्या हम अपनी संस्कृति से जुड़े प्रतीकों के प्रति उतने ही संवेदनशील हैं, जितनी संवेदनशीलता हम दूसरे सांस्कृतिक प्रतीकों के लिए अपेक्षित करते हैं? यदि कोई व्यक्ति दीपावली पर दीप नहीं जलाना चाहता, उसे ऐसा करने की स्वतंत्रता है। लेकिन यदि कोई दूसरा व्यक्ति पूरे श्रद्धाभाव से दीप जलाता है, तो उसकी आस्था का उपहास क्यों किया जाए? इसी तरह यदि कोई व्यक्ति किसी राजनीतिक कार्यक्रम में दीप जलाकर सहभागिता करता है, तो उसकी आलोचना कार्यक्रम के राजनीतिक पक्ष पर होनी चाहिए, उसकी धार्मिक आस्था पर नहीं। राजनीतिक बहस में पूर्व प्रधानमंत्रियों या दूसरे नेताओं के जन्मदिन समारोहों और कथित सरकारी खर्चों के उदाहरण भी दिए जाते हैं। ऐसे आरोपों को प्रमाणित करने के लिए संबंधित वर्ष, खर्च और आधिकारिक दस्तावेज सामने रखना आवश्यक है। बिना प्रमाण किसी व्यक्ति या पूर्व सरकार पर सार्वजनिक धन के दुरुपयोग का आरोप लगाना उचित नहीं है। आज की राजनीतिक बहस को मजबूत करने के लिए तथ्य चाहिए, केवल पुराने आरोप नहीं।

वास्तविक प्रश्न कुछ रुपये के तेल और बाती का नहीं है। वास्तविक प्रश्न यह है कि सार्वजनिक जीवन में हमारी प्राथमिकताएं क्या हों और हमारी भाषा कैसी हो। क्या राजनीतिक मतभेद इतने तीखे हो जाएँ कि सांस्कृतिक प्रतीक भी निशाने पर आ जाएँ? क्या धार्मिक आस्था को राजनीतिक समर्थन का पर्याय मान लेना सही है? क्या दीप जलाने वाला व्यक्ति अनिवार्य रूप से किसी राजनीतिक विचार का समर्थक है? और क्या दीप न जलाने वाला व्यक्ति स्वतः संस्कृति-विरोधी है? इन प्रश्नों का उत्तर यही है कि व्यक्ति की आस्था और राजनीतिक पसंद को अलग-अलग समझना होगा।

दीपक किसी के लिए पूजा है, किसी के लिए परंपरा, किसी के लिए संस्कृति और किसी के लिए केवल प्रकाश। उसकी व्याख्या अलग हो सकती है, लेकिन उसका अपमान किए बिना असहमति व्यक्त करना संभव है। हमारी संस्कृति की शक्ति केवल इस बात में नहीं कि हम दीप जलाते हैं; उसकी शक्ति इस बात में भी है कि हम विविध विचारों के बीच संवाद बनाए रखते हैं। दीप की लौ अंधकार को दूर करती है–उसी तरह विवेक, संयम और तथ्य सार्वजनिक बहस के अंधकार को दूर कर सकते हैं। इसलिए दीप जलाइए या न जलाइए, यह आपका निर्णय है। किसी राजनीतिक आयोजन का समर्थन कीजिए या विरोध, यह भी आपका अधिकार है। लेकिन आस्था पर व्यंग्य करने से पहले और विरोध करते समय दूसरे की संवेदनाओं को चोट पहुँचाने से पहले इतना जरूर सोचिए–असहमति लोकतंत्र की शक्ति है, पर सम्मान उसकी मर्यादा।

एआई वीडियो-पोस्टरों से गरमायी यूपी की सियासत

-प्रियंका सौरभ

2027 के विधानसभा चुनाव से पहले उत्तर प्रदेश की सियासत सोशल मीडिया पर एक नई शक्ल में उतर आई है। समाजवादी पार्टी और भारतीय जनता पार्टी के बीच अब पारंपरिक भाषण-बाजी से आगे बढ़कर एआई-निर्मित वीडियो और पोस्टरों की जंग छिड़ गई है, जिसे कई हलकों में एआई वॉर कहा जा रहा है। हालिया मामले की बात की जाए तो वह ताजा पोस्टर है, जिसमें अखिलेश को आजम-अतीक और मुख्तार के साथ दिखाया गया है। पोस्टर के मुख्य नारे हैं- ह्यआजम, अतीक और मुख्तार, यही चलाते थे सरकार।ह्न दूसरा नारा है- ह्यअखिलेश के माफिया, माफिया के अखिलेश।ह्न कुछ पोस्टरों में वन डिस्ट्रिक्ट, वन माफिया के नारे के साथ अलग-अलग क्षेत्रों से जुड़े कई नाम दिखाए गए हैं। जैसे अतीक अहमद, मुख्तार अंसारी, आजम खान, याकूब कुरैशी, अनिल दुजाना और अवध क्षेत्र के पोस्टर में गुलशन यादव, मित्रसेन यादव और रिजवान जहीर जैसे नाम भी शामिल हैं। इसकी शुरूआत तब हुई, जब सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने लखनऊ में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से जुड़ा एक एआई वीडियो जारी किया। पार्टी के अनुसार, यह वीडियो एक जवाबी कार्रवाई थी। अखिलेश यादव का कहना था कि यह वीडियो समाजवादी पार्टी का बनाया हुआ नहीं था, बल्कि किसी व्यक्ति ने उन्हें भेजा था, और यह भाजपा समर्थक हैंडलों से पहले शेयर किए गए एक वीडियो के जवाब में सामने आया।

भाजपा की ओर से इस पर तीखी प्रतिक्रिया आई। पार्टी के व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष विनीत शारदा ने इस पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि मुख्यमंत्री का ऐसा वीडियो बनाना बेहद आपत्तिजनक है और इसे सपा की राजनीति के स्तर को उजागर करने वाला बताया। भाजपा नेताओं ने अखिलेश यादव से सार्वजनिक माफी मांगने और वीडियो को तुरंत हटाने की मांग रखी। वहीं, भाजपा महासचिव सुब्रत पाठक ने कहा कि योगी आदित्यनाथ सिर्फ मुख्यमंत्री नहीं, बल्कि संत भी हैं, और इस एआई वीडियो से सपा की सोच उजागर हुई है। इसके जवाब में सपा पीछे नहीं हटी। भाजपा की प्रतिक्रिया के बाद समाजवादी पार्टी ने एक और वीडियो पोस्ट किया, जिसमें योगी आदित्यनाथ को एआई के जरिए दिखाते हुए लिखा गया कि उत्तर प्रदेश धुएं से घुट रहा है। अखिलेश यादव ने साफ कर दिया कि पार्टी इस मोर्चे पर पीछे नहीं रहेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी नेताओं को बदनाम करने के लिए एआई का इस्तेमाल किया जा रहा है और कहा कि अगर सरकार एआई के जरिए समाजवादी पार्टी को घेरने की कोशिश करेगी तो पार्टी भी पीछे नहीं रहेगी। दूसरी ओर, भाजपा प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी ने पलटवार करते हुए आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी, भाजपा की छवि खराब करने के लिए रोज नया नैरेटिव तैयार करती है। परिणाम यह हुआ कि यह जंग जल्द ही डिजिटल दायरे से निकलकर सड़क पर पोस्टरों तक पहुंच गई। वाराणसी में भाजपा नेता सुधीर सिंह ने अखिलेश यादव पर पलटवार करते हुए एक पोस्टर जारी किया, जिसमें हार्पिक की बोतल पर उनकी तस्वीर लगाकर उन्हें हार्पिक का ब्रांड एंबेसडर बताया गया। दोनों दलों के कार्यकर्ता अब इस तरह की रचनात्मक (और आपत्तिजनक भी मानी जा रही) सामग्री बनाकर इस जंग को आगे बढ़ाने में जुटे हैं।

इस पूरे विवाद के बीच अखिलेश यादव ने योगी आदित्यनाथ को लेकर एक और व्यंग्यात्मक टिप्पणी की, जिसके बाद भाजपा ने और तीखी प्रतिक्रिया दी। भाजपा सांसद जगदंबिका पाल ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री को गरिमा का ध्यान रखना चाहिए। इस पर अखिलेश यादव ने जवाब दिया कि अगर भाजपा एआई के जरिए उनके खिलाफ गाने और वीडियो बनाएगी तो समाजवादी पार्टी भी गानों से जवाब देगी। सोशल मीडिया पर जंग के साथ-साथ आरक्षण का मुद्दा भी इस चुनावी बहस के केंद्र में है। जब राज्य में आरक्षण सुधार को लेकर चर्चा शुरू हुई, तो उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक की आरक्षण विरोधी छात्रों से मुलाकात के बाद यह मुद्दा सियासी बहस के केंद्र में आ गया। इस पर अखिलेश यादव ने भाजपा को सीधे निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि सुधार या समीक्षा जैसे शब्दों की आड़ में आरक्षण खत्म करने की किसी भी कोशिश को स्वीकार नहीं किया जा सकता, और आरक्षण को पीडीए समाज का अधिकार बताया, जिसे किसी की इच्छा पर निर्भर नहीं किया जा सकता। सपा प्रमुख ने आगे कहा कि आरक्षण सुधार के नाम पर आरक्षण समाप्ति की कोशिश पीडीए समाज के खिलाफ एक गहरी साजिश है। हाल ही में एक कार्यकारिणी बैठक में उन्होंने कहा कि युवाओं में बेरोजगारी बढ़ी है, सरकारी नौकरियां नहीं हैं और आरक्षण के साथ खिलवाड़ किया गया है। डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमाओं का मुद्दा भी हाल में जोर पकड़ चुका है। अखिलेश यादव ने दावा किया कि भाजपा शासन में 72 जिलों में 151 आंबेडकर प्रतिमाएं तोड़ी गईं और हर साल औसतन 15 से अधिक प्रतिमाएं तोड़ी गईं, जिनमें बलिया में सबसे अधिक मामले सामने आए। उन्होंने इसे जानबूझकर किया गया कृत्य बताते हुए कहा कि भाजपा संविधान बदलना चाहती थी, लेकिन ऐसा नहीं कर पाई, इसीलिए इस तरह की घटनाएं हुईं। पार्टी ने यह भी आरोप लगाया कि दस साल के भाजपा शासन में सबसे ज्यादा आंबेडकर प्रतिमाएं तोड़ी गईं और अब वही जिम्मेदार लोग चुनाव से पहले बजट में मदद देकर गलत संदेश देने की कोशिश कर रहे हैं, साथ ही दलितों, पिछड़ों और पीडीए वर्ग के साथ भेदभाव जारी रहने का आरोप भी दोहराया गया।

दूसरी ओर, भाजपा और खासकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की रणनीति सपा को हिंदू आस्था और सामाजिक सौहार्द के विरोधी के रूप में पेश करने पर केंद्रित रही है। मुख्यमंत्री ने कई सार्वजनिक सभाओं में सपा पर सीधा हमला बोला है। रुदौली में एक जनसभा में उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव की आस्था भगवान राम के प्रति नहीं, बल्कि बाबर के प्रति है, क्योंकि उन्होंने अब तक राम मंदिर के दर्शन नहीं किए और अपने विधायकों को भी अयोध्या जाने से रोका। एक अन्य मौके पर मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि समाजवादी लोग राम से दूरी बनाते हैं और बाबर को आदर्श मानते हैं। योगी आदित्यनाथ ने सपा के इतिहास पर भी सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि जिस समाजवादी आंदोलन को डॉ. राम मनोहर लोहिया, आचार्य नरेंद्र देव, जनेश्वर मिश्र और मोहन सिंह जैसे चिंतकों ने ऊंचाई दी थी, आज सपा ने उसी आंदोलन को गुंडों, पेशेवर माफियाओं और अपराधियों का अड्डा बना दिया है। सपा ने इन आरोपों का जवाब भी उतनी ही तीखी भाषा में दिया है। विधान परिषद में अखिलेश यादव ने कहा कि 2017 से पहले मुख्यमंत्री के खिलाफ कई मामले दर्ज थे और समाजवादी पार्टी ने उन्हें राजनीतिक संरक्षण दिया था, और आरोप लगाया कि दंगा, आगजनी व नफरत फैलाना मुख्यमंत्री की राजनीतिक शैली का हिस्सा रहा है। शंकराचार्य से जुड़े एक विवाद पर भी अखिलेश यादव ने योगी आदित्यनाथ पर तीखा हमला बोलते हुए सवाल उठाया कि उन्हें यह प्रमाणपत्र कहां से मिला।कुल मिलाकर, उत्तर प्रदेश की सियासी जमीन पर 2027 के चुनाव से पहले यह टकराव कई मोर्चों पर एक साथ चल रहा है एआई वीडियो और पोस्टरों की तकनीकी जंग से लेकर आरक्षण, सामाजिक न्याय, आंबेडकर प्रतिमाओं और धार्मिक आस्था जैसे भावनात्मक मुद्दों तक। दोनों पक्ष अपने-अपने तर्कों और आंकड़ों के सहारे जनता के बीच अपनी बात पहुंचाने में जुटे हैं, और आने वाले महीनों में यह बहस और तेज होने की संभावना है।

धामणकर नाका मित्र मंडल के महारक्तदान शिविर में 417 रक्तदाताओं को हेलमेट भेंट, 221 लोगों को चश्मा वितरण

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। एकता के राजा के नाम से प्रसिद्ध धामणकर नाका मित्र मंडल एवं स्वाभिमान सेवा संस्था की ओर से गणेशोत्सव के अवसर पर रविवार को महारक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष रविंद्र चव्हाण के जन्मदिन के उपलक्ष्य में आयोजित शिविर का उद्घाटन भाजपा शहराध्यक्ष रवि सावंत ने किया। शिविर में सोशल वॉरियर फाउंडेशन के पूर्व सैनिकों सहित मंडल के पदाधिकारियों और नागरिकों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान किया। शाम तक चले शिविर में 417 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। मंडल की ओर से सभी रक्तदाताओं को व्यक्तिगत सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से हेलमेट भेंट किया गया। मंडल के अध्यक्ष संतोष शेट्टी की पहल पर पिछले सात वर्षों से गणेशोत्सव के दौरान रक्तदान शिविर आयोजित किया जा रहा है। इस वर्ष भी नागरिकों और पूर्व सैनिकों का उत्स्फूर्त प्रतिसाद मिला। हेलमेट वितरण के माध्यम से दोपहिया वाहन चालकों को यातायात सुरक्षा का संदेश भी दिया गया।विधायक निरंजन डावखरे ने शिविर में पहुंचकर मंडल के सामाजिक उपक्रम की सराहना की। उन्होंने कहा कि धार्मिक उत्सव के साथ सामाजिक कार्यों को जोड़ना समाज के लिए प्रेरणादायी है। उनके हाथों रक्तदाताओं को हेलमेट वितरित किए गए। शिविर की सफलता के लिए राकेश पटवारी एवं उनके सहयोगियों ने विशेष मेहनत की। वहीं गणेशोत्सव के तहत शनिवार को श्री भैरव चैरिटेबल आई हॉस्पिटल के सहयोग से नेत्र चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। भाजपा प्रदेश महासचिव एवं विधायक माधवी नाईक ने शिविर का उद्घाटन किया। शिविर में 300 मरीजों की आंखों की जांच की गई, जिनमें से 221 जरूरतमंदों को मुफ्त चश्मे वितरित किए गए। वहीं मोतियाबिंद की सर्जरी आवश्यक पाए गए 25 मरीजों की मंडल की ओर से मुफ्त सर्जरी कराई जाएगी। विधायक माधवी नाईक ने जरूरतमंद मरीजों के लिए मंडल द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की। शिविर की सफलता में मुरारी पोद्दार एवं उनके सहयोगियों का विशेष योगदान रहा।

अंतरराष्ट्रीय समुद्र तट स्वच्छता दिवस पर पालघर जिले में चलाया गया स्वच्छता अभियान

पालघर (उत्तरशक्ति)। स्वच्छता ही सेवा 2026 और सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत अंतरराष्ट्रीय समुद्र तट स्वच्छता दिवस के अवसर पर पालघर जिले के विभिन्न समुद्र तटों पर व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया गया। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे के मार्गदर्शन में आयोजित इस अभियान में नागरिकों सहित विभिन्न सामाजिक एवं शासकीय घटकों ने उत्स्फूर्त सहभागिता दर्ज कर समुद्र तटों को स्वच्छ रखने का संदेश दिया। 19 सितंबर को पालघर, डहाणू, वसई और तलासरी तहसील के विभिन्न समुद्र तटों पर विशेष स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया। इसमें ग्राम पंचायतों, विभिन्न शासकीय विभागों, जनप्रतिनिधियों, स्वयंसेवी संस्थाओं, महिला बचत समूहों, युवाओं, विद्यार्थियों तथा सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। नागरिकों के सामूहिक प्रयास से समुद्र तटों पर जमा कचरा एकत्र कर परिसर की साफ-सफाई की गई। इसी क्रम में ग्राम पंचायत झाई-बोरिगांव तथा डहाणू तहसील के नरपड़ में भी अंतरराष्ट्रीय समुद्र तट स्वच्छता दिवस के उपलक्ष्य में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान के माध्यम से समुद्र तटों की स्वच्छता बनाये रखने, प्लास्टिक एवं अन्य कचरे का उचित निपटारा करने तथा सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता में नागरिकों की सक्रिय भागीदारी बढ़ाने का संदेश दिया गया। अभियान के दौरान स्वच्छता के साथ पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता पैदा करने पर भी जोर दिया गया। प्रशासन की ओर से नागरिकों से समुद्र तटों पर कचरा नहीं फैलाने तथा स्वच्छता बनाये रखने में सक्रिय सहयोग करने की अपील की गई। जिला परिषद की ओर से बताया गया कि स्वच्छता ही सेवा अभियान को केवल एक दिन तक सीमित न रखते हुए जनभागीदारी के माध्यम से स्वच्छता को नियमित जनआंदोलन का स्वरूप देने का प्रयास किया जा रहा है। वहीं सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत विभिन्न जनहितकारी गतिविधियों के साथ पर्यावरण संरक्षण एवं सार्वजनिक स्वच्छता से जुड़े उपक्रमों को भी व्यापक स्तर पर आगे बढ़ाया जा रहा है।

केसीएन क्लब द्वारा किया गया 5 प्रतिष्ठित साहित्यिक प्रतिभाओं का सम्मान

मुंबई(उत्तरशक्ति)। प्रतिष्ठित व विख्यात अयोध्या श्री राम जन्म भूमि के तपस्वी छावनी स्थित राम लला पैलेस के सभागार में आयोजित दो दिवसीय पुस्तक विमोचन व साहित्यिक सांस्कृतिक अभिव्यक्ति कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवाभावी संगठन केसीएन क्लब द्वारा युगधारा फाउंडेशन लखनऊ के संरक्षक व नागपुर से पधारे वरिष्ठ साहित्यकार रामकृष्ण सहस्त्रबुद्धे व देहरादून से पधारे युगधारा फाउंडेशन लखनऊ के संरक्षक शिवकुमार सिंह, व देहरादून उत्तराखंड से पधारे कवि एवं गजलकार पवन शर्मा , बीकानेर राजस्थान से पधारे बेहतरीन कवि रवि शुक्ला, व सीधी मध्यप्रदेश से पधारे बेहतरीन संचालक युवा गजलकार जनार्दन पांडेय का सम्मान शॉल केसीएन क्लब के अंगवस्त्र व सम्मान चिन्ह भेंट कर सम्मानित व स्वागत किया गया।

सीसीटीवी बना मददगार, चार घंटे में मिला 3.40 लाख का सोना

अचोले पुलिस की तत्परता से ऑटो में गुम हुआ बैग बरामद; महिला को लौटाए सोने के आभूषण

मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)। अचोले पुलिस की अपराध जांच शाखा ने तत्परता और तकनीकी जांच का परिचय देते हुए ऑटो रिक्शा में गुम हुए 3.40 लाख रुपये मूल्य के सोने के आभूषणों से भरा बैग महज चार घंटे में बरामद कर लिया। पुलिस ने बरामद आभूषण और अन्य सामान शिकायतकर्ता को वापस सौंप दिया। कीमती सामान वापस मिलने पर महिला ने अचोले पुलिस का आभार व्यक्त करते हुए पुलिस की कार्यप्रणाली की सराहना की।

जानकारी के अनुसार, 19 सितंबर 2026 को सुबह करीब 10:30 बजे श्यामदुलारी सुरेश गुप्ता (43), निवासी राजमाता हाउस सोसायटी, अचोले रोड, नालासोपारा पूर्व, द्वारका होटल से वसई स्टेशन तक ऑटो रिक्शा से यात्रा कर रही थीं। इसी दौरान उनका सामान रखा बैग ऑटो में कहीं गिर गया और गुम हो गया। बैग में सोने के आभूषणों के अलावा बेंटेक्स का सामान और साड़ियां भी थीं।

गुम हुए सामान में 10 ग्राम वजन का सोने का मंगलसूत्र, जिसकी कीमत करीब 1.50 लाख रुपये, 3 ग्राम का सोने का पेंडेंट, जिसकी कीमत करीब 40 हजार रुपये तथा 10 ग्राम वजन की तीन सोने की अंगूठियां, जिनकी कीमत करीब 1.50 लाख रुपये बताई गई। इस प्रकार सोने के आभूषणों की कुल कीमत लगभग 3.40 लाख रुपये

थी। बैग गुम होने की जानकारी मिलते ही शिकायतकर्ता ने अचोले पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने गुमशुदगी शिकायत क्रमांक 23395/2026 दर्ज कर तत्काल जांच शुरू कर दी। द्वारका होटल से वसई स्टेशन तक खंगाले कैमरे वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर अपराध जांच शाखा की टीम ने घटना को गंभीरता से लेते हुए द्वारका होटल से वसई स्टेशन तक के मार्ग पर लगे विभिन्न सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू की। अचोले पुलिस स्टेशन की सीमा में घनी आबादी और भीड़भाड़ वाले क्षेत्र होने के बावजूद पुलिस टीम ने लगातार जांच जारी रखी। तकनीकी जांच और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस टीम ने अथक प्रयास करते हुए महज चार घंटे में गुम हुआ बैग बरामद कर लिया। बैग में रखे सोने के आभूषण और अन्य सामान भी सुरक्षित मिले। पुलिस की कार्रवाई की शिकायतकर्ता ने की सराहना बरामद सामान नियमानुसार श्यामदुलारी गुप्ता को वापस सौंप दिया गया। अपना कीमती सामान वापस मिलने पर उन्होंने संतोष व्यक्त करते हुए अचोले पुलिस के प्रति आभार जताया और पुलिस की तत्परता एवं कार्यप्रणाली की सराहना की। यह कार्रवाई पुलिस उपायुक्त अशोक विरकर, परिक्षेत्र-2 वसई, सहायक पुलिस आयुक्त नितिन गिते, तुलिंज विभाग तथा अचोले पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक सुजीत कुमार पवार के मार्गदर्शन में की गई। कार्रवाई में पुलिस निरीक्षक शकील शेख, पुलिस निरीक्षक माणिक पाटिल, पुलिस उपनिरीक्षक तुकाराम भोपले तथा पुलिसकर्मी दत्तात्रय दाईगडे, शंकर शिंदे, निखिल चव्हाण, विनायक कचरे, अमोल सांगले, अनिल पवार, मोहदनदास, बंडगर, हशिम पटेल, सुशांत भोये, लोकेश कुवर, और गोविंद गुट्टे ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

भिवंडी में प्रतिबंधित 175 किलो मांगूर मछली जब्त, विक्रेता के खिलाफ एफआईआर दर्ज

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी मनपा क्षेत्र में प्रतिबंधित मांगूर मछली की बिक्री के खिलाफ जिला स्तरीय मांगूर निर्मूलन समिति ने कार्रवाई करते हुए 175 किलो मछली जब्त की। यह कार्रवाई 10 सितंबर को कोंडाजीवाड़ी स्थित इम्रान फिश शॉप पर की गई। समिति को प्रतिबंधित मांगूर मछली की बिक्री की शिकायत मिली थी। जांच के दौरान दुकान में रोहू, पंगेशियस और रुपचंद मछली के बीच 2 नग मांगूर मछली मिली, जिसका वजन 4.5 किलो था। इसके बाद स्थानीय जानकारी के आधार पर दुकान के बाहर खड़े महिंद्रा बोलेरो पिकअप वाहन (क्रमांक एमएच 04 एचएस 1266) की तलाशी ली गई। वाहन में रखे आठ नीले ड्रमों में से तीन ड्रमों में 171 किलो मांगूर मछली बरामद हुई।दुकान और वाहन से बरामद कुल 175 किलो प्रतिबंधित मांगूर

मछली को जब्त कर रामनगर-चाविंद्रा स्थित घनकचरा प्रबंधन केंद्र में वैज्ञानिक तरीके से नष्ट किया गया। इस मामले में मछली विक्रेता इम्रान नजीर कुरैशी के खिलाफ शांतिनगर पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई है। वहीं, पिकअप वाहन के स्वामित्व को लेकर पुलिस द्वारा आगे की जांच की जा रही है।यह कार्रवाई जिला स्तरीय मांगूर निर्मूलन समिति, मत्स्यव्यवसाय विभाग ठाणे-पालघर, भिवंडी मनपा तथा शांतिनगर पुलिस के संयुक्त दल ने की।

रोजगार महाकुंभ में शामिल होंगी टाटा, महिंद्रा समेत नामचीन कंपनियां : कैबिनेट मंत्री लोढ़ा

मुंबई (उत्तरशक्ति)। राज्य के युवाओं को रोजगार के विभिन्न अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कौशल विकास मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा की संकल्पना से आयोजित किए जा रहे पंडित दीनदयाल उपाध्याय विश्वविक्रमी रोजगार महाकुंभ को नामचीन कंपनियों और उद्योग संस्थानों का उत्स्फूर्त प्रतिसाद मिल रहा है। अब तक 1,588 नियोक्ताओं ने पंजीकरण कराया है, जिनके माध्यम से 71,939 प्राथमिक रोजगार अवसर उपलब्ध हुए हैं। रोजगार महाकुंभ में टाटा मोटर्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा, गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप, LIC, HDFC, ICICI, एक्सिस बैंक, बजाज फाइनेंस, मारुति सुजुकी, बॉश, एंड्युरेंस टेक्नोलॉजीज, एशियन पेंट्स, खरह स्टील, अल्ट्राटेक सीमेंट, उएअळ और थर्मैक्स जैसी नामचीन कंपनियां एवं संस्थाएं शामिल हैं। ऑटोमोबाइल, विनिर्माण, बैंकिंग, वित्तीय सेवाएं, आईटी, शिक्षा, स्वास्थ्य, लॉजिस्टिक्स सहित विभिन्न क्षेत्रों की कंपनियों द्वारा रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इससे विभिन्न शैक्षणिक योग्यताओं और कौशल वाले युवाओं को अपनी रुचि के अनुसार रोजगार के अवसर तलाशने में मदद मिलेगी। फ्रेशर्स के साथ अनुभवी उम्मीदवारों के लिए भी रोजगार के विभिन्न अवसर उपलब्ध हो रहे हैं। ITI, स्नातक, HSC, डिप्लोमा, इंजीनियरिंग तथा अन्य कौशल आधारित योग्यताएं रखने वाले उम्मीदवारों के लिए विभिन्न पदों पर अवसर उपलब्ध हैं। इनमें टेक्नीशियन, मशीन ऑपरेटर, फिटर, इलेक्ट्रीशियन, मैकेनिक, ट्रेनी, अप्रेंटिस, सेल्स, ग्राहक सेवा सहित अन्य पद शामिल हैं। साथ ही, सरकार से संबंधित संस्थाओं में भी युवाओं को काम करने का अवसर मिलेगा। रोजगार महाकुंभ को मिल रहे प्रतिसाद को देखते हुए 29 सितंबर तक पंजीकृत

नियोक्ताओं की संख्या 2,500 से अधिक होने की उम्मीद है। आगामी दिनों में और अधिक कंपनियां एवं उद्योग संस्थाएं इसमें शामिल होंगी, जिससे युवाओं के लिए उपलब्ध रोजगार के अवसरों में और वृद्धि होने की संभावना है। रोजगार महाकुंभ के माध्यम से उद्योग क्षेत्र की मानव संसाधन संबंधी आवश्यकताओं और युवाओं के कौशल का समन्वय करने का प्रयास किया जा रहा है। राज्य के युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के साथ ही उद्योगों को आवश्यक मानव संसाधन उपलब्ध कराने की दिशा में यह पहल महत्वपूर्ण साबित होगी, यह जानकारी कौशल विकास मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने दी। आगामी 29 सितंबर को आयोजित होने वाले पंडित दीनदयाल उपाध्याय विश्वविक्रमी रोजगार महाकुंभ की पूर्व तैयारियों के तहत कौशल विकास विभाग और मुंबई उपनगर जिलाधिकारी कार्यालय की ओर से 11 सितंबर को बांद्रा पूर्व स्थित जिलाधिकारी कार्यालय में एम्प्लॉयर राउंड टेबल का आयोजन किया गया था। कौशल विकास मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा की पहल पर आयोजित इस बैठक में महाराष्ट्र के 32 नामचीन उद्योगों एवं प्रतिष्ठानों के मानव संसाधन प्रबंधन विभाग के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। रोजगार मेले में उद्योगों की सक्रिय भागीदारी बढ़ाना, उनकी मानव संसाधन संबंधी आवश्यकताओं को समझना तथा उपलब्ध रोजगार अवसरों के लिए पंजीकरण प्रक्रिया को सरल बनाना, इस बैठक का उद्देश्य था।

काशीमीरा मासाचा पाड़ा में युवा शक्ति मित्र मंडल का भव्य सार्वजनिक गणेशोत्सव संपन्न

मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)। काशीमीरा के मासाचा पाड़ा परिसर में युवा शक्ति मित्र मंडल द्वारा सार्वजनिक गणेशोत्सव 2026 का भव्य आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। गणेशोत्सव के दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों, गणेशभक्तों और गणमान्य अतिथियों ने उपस्थित होकर विघ्नहर्ता श्री गणेश के दर्शन किए और आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मा. श्रीमती मीना ताई, मा. नगरसेवक अनिल भोंसले, नितेश सिंह, मंगेश भाई, अजीत उपाध्याय, माजी नगरसेविका श्रीमती मीरा देवी यादव, माजी महिला मंडल अध्यक्षा श्रीमती कविता भोये, पत्रकार तारकेश्वर पांडे तथा शिवसेना प्रवक्ता रामभवन शर्मा सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे।

गणेशोत्सव के सफल आयोजन में मंडल के पदाधिकारियों और कार्यकताओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा। मंडल के अध्यक्ष लाल बाबू शर्मा, सचिव सुरेश शर्मा, उपाध्यक्ष प्रमोद यादव, उपकोषाध्यक्ष बाबूराम प्रजापति, उपसचिव बृजेश कुशवाहा तथा कोषाध्यक्ष सुनील यादव ने आयोजन की व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी संभाली।इसके अलावा कार्यकारिणी सदस्य एवं कार्यकर्ताओं शिवपूजन, जयराम, शिवा, बृजभान, दुर्गेश, महेश, सुरेश, राजेश, ननकू, भाई अनिल तिवारी, चंदीराम, केदार भाई, राममनही, गोविंद, राजू, संजय सहित सभी सहयोगियों ने आयोजन को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाई। मंडल पदाधिकारियों ने कहा कि सार्वजनिक गणेशोत्सव केवल धार्मिक आयोजन ही नहीं, बल्कि समाज को एकजुट करने और आपसी भाईचारे को मजबूत करने का माध्यम भी है। इस वर्ष भी सभी के सहयोग और मंडल की पूरी टीम की मेहनत से गणेशोत्सव सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। आयोजन में सहयोग देने वाले सभी गणेशभक्तों और नागरिकों का मंडल की ओर से आभार व्यक्त किया गया।

शिवतेज मित्र मंडल चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा श्रद्धा-भक्ति के साथ मनाया जा रहा है गणेशोत्सव

पालघर(उत्तरशक्ति)। पालघर जिले के बोईसर शहर पश्चिम स्थित धर्मनगरी आजाद नगर में काशी विश्वनाथ मंदिर एवं शीतला माता मंदिर परिसर में शिवतेज मित्र मंडल चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से श्री गणेश प्रतिमा की स्थापना कर गणेशोत्सव श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। गणेशोत्सव के दौरान प्रतिदिन सुबह, दोपहर एवं शाम विधिवत पूजा-अर्चना तथा आरती का आयोजन किया जा रहा है। आरती के समय मंदिर परिसर में भक्तिमय वातावरण देखने को मिल रहा है। क्षेत्र के बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर परिसर में पहुंचकर भगवान गणेश के दर्शन कर सुख-समृद्धि, शांति एवं मंगलमय जीवन की कामना कर रहे हैं। गणेशोत्सव के अवसर पर क्षेत्र के अनेक

गणमान्य नागरिक, उद्यमी एवं सामाजिक कार्यकर्ता भी बप्पा के दर्शन के लिए मंदिर परिसर पहुंच रहे हैं। शनिवार शाम उद्यमी गिरजेश आर. सिंह सहित अनेक गणमान्य लोगों ने गणपति बप्पा के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर काशी विश्वनाथ मंदिर एवं शीतला माता मंदिर के संस्थापक तथा शिवतेज मित्र मंडल चेरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष तुलसी राम केवट ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। मंडल की ओर से गणेशोत्सव के दौरान विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक गतिविधियों का आयोजन कर श्रद्धालुओं को जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। आयोजन को सफल बनाने में ट्रस्ट के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं स्थानीय श्रद्धालु उत्साहपूर्वक सहयोग कर रहे हैं।

711 कंपनी पर शिवसैनिकों का गंभीर आरोप, नवघर जमीन विवाद में पुलिस शिकायत

◆भगवा झंडा और धनुष-बाण का इस्तेमाल कर शिवसेना को बदनाम करने की साजिश का दावा; मनोज राणे व संतोष गोले ने उच्चस्तरीय जांच की मांग की

मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)। नवघर स्थित जमीन विवाद ने अब नया मोड़ ले लिया है। शिवसैनिक मनोज राणे और संतोष गोले ने आरोप लगाया है कि 711 कंस्ट्रक्शन कंपनी तथा विधायक नरेंद्र मेहता से जुड़े लोगों द्वारा जमीन विवाद को लेकर शिवसेना की छवि खराब करने की साजिश रची गई। इस संबंध में 711 कंस्ट्रक्शन कंपनी, मुकेश पारेख और मर्विन फर्नांडीस के खिलाफ नवघर पुलिस स्टेशन में शिकायत किए जाने की जानकारी दी गई है। शिवसैनिकों ने मामले की पुलिस, राजस्व और नगर प्रशासन के स्तर पर उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच की मांग की है। यह विवाद मीरा-भायंदर के नवघर क्षेत्र की करीब 2,810 वर्गमीटर जमीन से जुड़ा है। स्वतंत्र रूप से प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बचपन के मित्र बताए जाने वाले अजगरभाई वोरा ने जमीन के स्वामित्व को लेकर शिकायत की है और 8 सितंबर को मुंबई में प्रधानमंत्री से मुलाकात कर मामले में उइक जांच की मांग किए जाने की बात सामने आई है। हालांकि, संबंधित आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि अभी नहीं हुई है और मामले में सभी संबंधित पक्षों का पक्ष

सामने आना बाकी है। लेनदेन रद्द करने के दावे पर उठाए सवाल शिवसैनिकों का आरोप है कि विवाद सामने आने और उच्च स्तर पर मामला पहुंचने के बाद 711 कंपनी की ओर से जमीन के खरीद संबंधी लेनदेन को रद्द करने का पत्र दिया गया। उनका दावा है कि इसके बावजूद जमीन का वास्तविक कब्जा मूल दावेदार को सौंपने के बजाय विवादित मध्यस्थों के माध्यम से स्थिति बनाए रखने का प्रयास किया गया। मनोज राणे और संतोष गोले का कहना है कि जब शिवसैनिक मौके पर पहुंचे तो वहां सुरक्षा कर्मी तथा कंपनी से संबंधित पत्रा मौजूद थे। उनके अनुसार, सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े लोगों ने खुद को नरेंद्र मेहता के आदमी प्रेम पांडे द्वारा नियुक्त किए जाने की बात कही। शिवसैनिकों ने इस पूरे घटनाक्रम की भी जांच की मांग की है। **भगवा झंडा लगाने पर शिवसैनिकों ने जताई आपत्ति:** शिवसैनिकों का सबसे गंभीर आरोप यह है कि विवादित जमीन पर शिवसेना का भगवा झंडा और धनुष-बाण का चिन्ह लगाया गया था। उनका दावा है कि इसका उद्देश्य शिवसेना को जमीन विवाद से जोड़कर पार्टी की छवि को नुकसान पहुंचाना था। शिवसैनिकों ने कहा कि इस मामले में पुलिस को शिकायत देकर यह पता लगाने की मांग की गई है कि जमीन पर पार्टी का झंडा और चुनाव चिन्ह किसने और किस उद्देश्य से लगाया। CBI जांच की मांग का भी उल्लेख वोरा की ओर से जमीन विवाद में उइक जांच की मांग किए जाने की बात पहले भी रिपोर्ट हुई है। प्रकाशित रिपोर्ट में जमीन के दस्तावेज, कथित व्यवहार और निर्माण अनुमति को लेकर विभिन्न आरोपों का उल्लेख है, हालांकि रिपोर्ट ने स्पष्ट किया है कि ये आरोप शिकायतकर्ता के हैं और उनकी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। जांच पूरी होने तक लड़ाई जारी रहेगी शिवसैनिक मनोज राणे और संतोष गोले ने कहा कि जमीन विवाद में वास्तविक तथ्यों को सामने लाना आवश्यक है। उन्होंने पुलिस, राजस्व विभाग और महानगरपालिका प्रशासन से पूरे मामले की गहन जांच कर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई करने की मांग की है। शिवसैनिकों ने कहा कि वे जमीन के स्वामित्व और कथित कब्जे से जुड़े विवाद में तब तक आवाज उठाते रहेंगे, जब तक संबंधित जांच पूरी नहीं होती और वास्तविक स्थिति स्पष्ट नहीं हो जाती।

बड़ी दुर्गा महारानी मंदिर में धूमधाम से संपन्न हुआ सात दिवसीय गणेशोत्सव

पालघर(उत्तरशक्ति)। पालघर जिले में सार्वजनिक गणेश पंडालों में विराजमान भगवान श्रीगणेश की भक्ति में पूरा वातावरण सराबोर नजर आया। पंडालों में गूंजते कर्णप्रिय भजनों, धूप-बत्तियों की सुगंध और श्रद्धालुओं की आस्था ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया। ज्ञान, समृद्धि एवं शुभता के प्रतीक तथा ऋद्धि-सिद्धि के दाता भगवान श्रीगणेश के दर्शन और महाआरती के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती रही। पालघर जिले के बोईसर शहर पश्चिम स्थित धर्मनगरी आजाद नगर में श्री बड़ी दुर्गा महारानी जी चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा श्री बड़ी दुर्गा महारानी जी मंदिर परिसर में आयोजित 24वें वर्ष के सात दिवसीय गणेशोत्सव का शनिवार 19 सितंबर को धूमधाम एवं भक्तिमय वातावरण में समापन हुआ। गणेशोत्सव के दौरान धार्मिक आयोजनों के साथ सामाजिक एवं सांस्कृतिक संदेश देने वाले विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये। समापन के अवसर पर शनिवार शाम बड़ी संख्या में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि, समाजसेवी, प्रबुद्ध नागरिक एवं गणेश भक्त

उपस्थित रहे। श्रद्धालुओं ने दुखहर्ता-सुखकर्ता भगवान श्रीगणेश के समक्ष शीश नवाकर बोईसरवासियों के सुख, समृद्धि एवं कल्याण की कामना की। इसके बाद विधि-विधान से आयोजित महाआरती में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। गणेशोत्सव में दर्शन के लिए पहुंचे अतिथियों एवं गणमान्य नागरिकों का सर्वप्रथम पुरोहित आचार्य पं. राघवेंद्रजी महाराज द्वारा विधिवत गणेश पूजन कराया गया। इसके पश्चात ट्रस्ट के प्रमुख जितेंद्र दुबे सहित ट्रस्ट के पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने अतिथियों का स्वागत एवं सत्कार किया। महाआरती के बाद श्रद्धालुओं को भगवान श्रीगणेश का भोग एवं प्रसाद देर रात तक वितरित किया गया।

उत्तरशक्ति

* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।

पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

व्यवस्था न हो गड़बड़, इंस्पेक्टर व चौकी इंचार्ज ने दशाश्वमेध-गोदौलिया मार्ग से हटवाया अतिक्रमण

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में धार्मिक और पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण दशाश्वमेध से गोदौलिया

मार्ग पर यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने और अतिक्रमण पर प्रभावी नियंत्रण के लिए पुलिस लगातार सक्रिय नजर आ रही है। थाना प्रभारी संतोष सिंह के निर्देशन में चौकी प्रभारी अनुज मणि त्रिपाठी लगातार पैदल गश्त कर मार्ग की स्थिति का जायजा ले रहे हैं।

पैदल निगरानी के दौरान पुलिस टीम सड़क किनारे दुकानदारों और अन्य लोगों से संवाद कर उन्हें फुटपाथ व सड़क पर अतिक्रमण नहीं करने की हिदायत दे रही है। साथ ही सड़क के किनारे बेतरतीब तरीके से वाहन खड़े करने वालों को भी चेतावनी दी जा रही है, ताकि राहगीरों और वाहनों के आवागमन में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो।

चौकी प्रभारी अनुज मणि त्रिपाठी का जोर कार्रवाई के साथ-साथ लोगों को समझाने और सहयोग के लिए प्रेरित करने पर भी दिखाई दे रहा है। पुलिस द्वारा दुकानदारों से अपील की जा रही है कि वे अपनी दुकान का सामान सड़क या पैदल चलने वाले मार्ग तक न फैलाएं और यातायात व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करें।

दशाश्वमेध-गोदौलिया मार्ग पर नियमित पैदल निगरानी से पुलिस की सक्रियता साफ दिखाई दे रही है। श्रद्धालुओं, पर्यटकों और स्थानीय लोगों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पुलिस द्वारा अतिक्रमण और अव्यवस्थित पार्किंग पर नजर रखी जा रही है। लगातार हो रही निगरानी से क्षेत्र में व्यवस्था बनाए रखने के पुलिस के प्रयास चर्चा में हैं।

जौनपुर में तीन स्थानों पर पीडीए जनपंचायत

संविधान और आरक्षण की रक्षा का लिया संकल्प

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी, जौनपुर के तत्वावधान में सोमवार को मैनिपुर, गौतम बुद्ध इंटर कॉलेज चम्बलतारा और सम्राट अशोक महान भवन लखनपुर में पीडीए जनपंचायत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में समाजवादी पार्टी की राष्ट्रीय सचिव, पूर्व मंत्री एवं पूर्व सदस्य विधान परिषद लीलावती कुशवाहा ने भाग लिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए लीलावती कुशवाहा ने कहा कि पिछड़ा वर्ग, दलित और अल्पसंख्यक समाज के हक, अधिकार और सम्मान को लेकर गंभीर चुनौतियां हैं। उन्होंने संविधान और आरक्षण की रक्षा के लिए पीडीए समाज की एकजुटता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि समाज के विभिन्न वर्गों को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होकर एकजुट रहना होगा।

उन्होंने अपने संबोधन में आरोप लगाया कि ढऊअ समाज के लोगों के साथ उत्पीड़न, फर्जी मुठभेड़ और बुलडोजर कार्रवाई जैसी घटनाएं हो रही हैं तथा सरकार संविधान और आरक्षण की भावना के अनुरूप कार्य नहीं कर रही है। उन्होंने महात्मा बुद्ध, सम्राट अशोक और डॉ. भीमराव आंबेडकर के विचारों का उल्लेख करते हुए सामाजिक न्याय के लिए संघर्ष जारी रखने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व विधायक जौनपुर सदर मोहम्मद अरशद खान ने लीलावती

कुशवाहा का स्वागत करते हुए कहा कि पीडीए समाज की एकता संविधान और आरक्षण की रक्षा के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि सामाजिक न्याय और समानता के लिए महात्मा बुद्ध, डॉ. भीमराव आंबेडकर, मान्यवर कांशीराम, मुलायम सिंह यादव, डॉ. राममनोहर लोहिया और मौलाना अबुल कलाम आजाद के विचारों को आगे बढ़ाने की जरूरत है।

मोहम्मद अरशद खान ने पीडीए समाज से एकजुट होकर समाजवादी पार्टी का समर्थन करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में पार्टी नेतृत्व द्वारा जिसे भी प्रत्याशी बनाया जाएगा, पीडीए समाज के लोगों को एकजुट होकर उसका समर्थन करना चाहिए। उन्होंने अखिलेश यादव को उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाने तथा संविधान, आरक्षण, विकास और भाईचारे के मुद्दे को आगे बढ़ाने की बात कही।

कार्यक्रम को पूर्व मंत्री संगीता यादव, वरिष्ठ नेता एवं पूर्व नगर पालिका परिषद चेयरमैन प्रत्याशी पूनम मौर्य, गप्पू मौर्य, उदयभान मौर्य, आरिफ हबीब और जिला महासचिव प्रभाकर मौर्य ने भी संबोधित किया। संचालन जिला सचिव रामकेश बिंद ने किया।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पीडीए समाज के लोग उपस्थित रहे। वक्ताओं ने पीडीए एकता पर जोर देते हुए आगामी विधानसभा चुनाव में अखिलेश यादव के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी को समर्थन देने का आह्वान किया।

यूपीआई पर एमडीआर टैक्स के खिलाफ कांग्रेसियों ने किया प्रदर्शन

एमडीआर टैक्स मोदी सरकार की जनता को लूटने की स्कीम- डा.प्रमोद कुमार सिंह

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। आनलाइन खरीददारी के लेन देन पर मोदी सरकार द्वारा यूपीआई पेमेंट पर लगायें गये एमडीआर टैक्स के विरोध में कांग्रेस पार्टी के जिलाध्यक्ष डा प्रमोद कुमार सिंह के नेतृत्व में पार्टी कार्यकताओं ने कलेक्ट्रेट परिसर में जिलाधिकारी कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन कर महामहिम राष्ट्रपति के नाम संबोधित चार सूत्रीय मांग पर अपर जिलाधिकारी परमानन्द झा को सौंपा। धरना प्रदर्शन को संबोधित करते हुए कांग्रेस पार्टी के जिलाध्यक्ष डा प्रमोद कुमार सिंह ने कहा कि केन्द्र सरकार पूरी तरह से जनविरोधी हो गयी है, इनकी सभी नीतियां जनता को परेशान करने वाली बन रही है। डा प्रमोद कुमार सिंह ने एमडीआर टैक्स को जनता को लूटने वाला टैक्स बताते हुए कहा कि केन्द्र सरकार ने जब

जीएसटी को एक देश एक टैक्स कहा था तो एमडीआर टैक्स क्यों लगाया जा रहा है, इस टैक्स से कारोबियो का व्यवसाय तो चौपट तो होगा ही साथ ही उपभोक्ताओं को भी भारी भरकम मुश्किलो का सामना करना पड़ेगा। एमडीआर टैक्स को जजिया टैक्स से तुलना करते हुए कांग्रेस पार्टी के जिलाध्यक्ष डा प्रमोद कुमार सिंह ने सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि यह जनता के पाकेट पर खुलेआम सरकारी डकैती है। शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष आरिफ खान ने प्रदर्शन सभा को संबोधित करते हुए सरकार से मांग एमडीआर टैक्स को तत्काल वापस लिए जाने की मांग करते हुए कहा कि सरकार द्वारा जनता के ऊपर लगायें गये अतिरिक्त टैक्स के बोझ को लादना उचित नहीं है, वैसे ही जनता भीषण महंगाई और बेरोजगारी का दंश झेल रही है। आरिफ खान ने मोदी सरकार को हर मोर्चे पर फेल बताते हुए कहा कि आने वाले समय में देश की जनता भाजपा सरकार को उखाड़ फेंकेगी।

इस मौके पर जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष एवं संगठन प्रभारी राकेश मिश्रा, जिला उपाध्यक्ष राकेश सिंह डब्बू, विनय तिवारी, लाल प्रकाश पाल, महिला नेता मंजू बेनवंशी, अरुण शुक्ला, रामसिंह बांकुरे, जिला सचिव इरशाद खान,सभासद शहनवाज मंजूर, राजकुमार गुप्ता, जब्बार अली सलमानी,तौफीक अहमद राजू, हमजा मलिक, आशीष यादव,रेखा बेनवंशी, साबिर बेगम, मुहम्मद ताहिर, इकबाल हुसैन,संदीपा बेनवंशी, विजेन्द्र गौतम, इस्तेखारुल प्रधान, मोहम्मद अजीम सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

पंचमुखी महादेव मंदिर में डीएम ने किया श्रमदान, 1000 किलो प्लास्टिक एकत्र

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के तहत सोमवार को जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने विकासखंड राबर्ट्सगंज स्थित प्राचीन पंचमुखी महादेव मंदिर परिसर में विशेष स्वच्छता अभियान में सहभागिता की। जिलाधिकारी ने स्वयं करीब 45 मिनट तक श्रमदान कर मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्र की साफ-सफाई की। उन्होंने लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए इसे जनभागीदारी से जोड़ने का संदेश दिया।अभियान में मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी, जिला पंचायत राज अधिकारी नमिता शरण समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी भी शामिल हुए। बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने भी उत्साह के साथ श्रमदान किया।स्वच्छता अभियान के दौरान मंदिर परिसर और आसपास से करीब 1000 किलोग्राम प्लास्टिक एवं सिंगल यूज प्लास्टिक एकत्र किया गया।

मंदिर परिसर में लगाए गए दो डस्टबिन, प्लास्टिक बिक्री से मिले 2,500 मंदिर के रखरखाव के लिए किए गए समर्पित

एकत्रित प्लास्टिक को मौके पर ही कबाड़ी को बेचकर 2500 रुपये प्राप्त हुए। जिलाधिकारी की पहल पर यह धनराशि मंदिर के रखरखाव एवं व्यवस्थाओं के लिए मंदिर में ही समर्पित कर दी गई।स्वच्छता व्यवस्था को स्थायी रूप से बनाए रखने के लिए मंदिर परिसर में दो डस्टबिन भी स्थापित कराए गए। इसका उद्देश्य श्रद्धालुओं और आमजन को कूड़ा निर्धारित स्थान पर डालने के लिए प्रेरित करना और मंदिर परिसर को निरंतर स्वच्छ बनाए रखना है।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि धार्मिक एवं सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि इसमें प्रत्येक नागरिक की सक्रिय सहभागिता जरूरी है। उन्होंने लोगों से प्लास्टिक एवं सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग कम करने, कूड़ा निर्धारित स्थान पर डालने तथा अपने आसपास के धार्मिक एवं सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने में सहयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान का उद्देश्य केवल सफाई तक सीमित नहीं है, बल्कि स्वच्छता को जन-आंदोलन का रूप देना है। प्रशासन के साथ आमजन की भागीदारी से ही स्वच्छ और सुंदर वातावरण का निर्माण संभव है। अभियान में विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, स्थानीय कार्मिक और बड़ी संख्या में लोगों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया।

1.478 किलो गांजे के साथ महिला गिरफ्तार, एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज

एयरपोर्ट रोड स्थित लहरा मोड़ के पास ईदगाह से हुई गिरफ्तारी, पुलिस ने गांजा किया बरामद

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। म्योरपुर थाना पुलिस ने मादक पदार्थों की बिक्री और तस्करी के खिलाफ

चलाए जा रहे अभियान के तहत एक महिला को अवैध गांजे के साथ गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार महिला के कब्जे से 1 किलो 478 ग्राम गांजा बरामद किया गया है। मामले में एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है।पुलिस के मुताबिक पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा के निर्देशन तथा अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) ऋषभ रुणवाल और क्षेत्राधिकारी दुद्धी विनय प्रभाकर साहनी के पर्यवेक्षण में म्योरपुर पुलिस मादक पदार्थों की बिक्री एवं तस्करी के विरुद्ध अभियान चला रही है। इसी क्रम में सोमवार सुबह करीब 6:30 बजे पुलिस टीम ने एयरपोर्ट रोड स्थित लहरा मोड़ के पास ईदगाह के समीप संदिग्ध गतिविधि के आधार पर एक महिला को पकड़ा।पूछताछ और तलाशी के दौरान महिला के कब्जे से 1 किलो 478 ग्राम अवैध गांजा बरामद होने की बात पुलिस ने बताई।

गिरफ्तार महिला की पहचान सुनैना पत्नी सुरेन्द्र कुमार, उम्र करीब 40 वर्ष, निवासी कस्बा म्योरपुर, थाना म्योरपुर, जनपद सोनभद्र के रूप में हुई है।पुलिस ने गिरफ्तारी और बरामदगी के आधार पर थाना म्योरपुर में मु0अ0सं0 110/2026 के तहत धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी करने के बाद आरोपी को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है।कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक बलजीत भारद्वाज, कांस्टेबल रामसूरत वर्मा, कांस्टेबल राहुल कुमार और महिला कांस्टेबल साक्षी शामिल रहीं।

विद्यार्थियों की समस्याओं के त्वरित हल को कुलपति की संवेदनशील पहल

वीबीएस पूर्वांचल विश्वविद्यालय में छात्र शिकायत निवारण समिति का गठन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर में विद्यार्थियों की समस्याओं, शिकायतों और सुझावों के त्वरित, पारदर्शी एवं प्रभावी समाधान की दिशा में कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह के मार्गदर्शन में महत्वपूर्ण पहल की गई है। विगत दिनों विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने कुलपति से भेंट कर अपनी विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया था। कुलपति ने विद्यार्थियों की बातों को गंभीरता, धैर्य और संवेदनशीलता के साथ सुनते हुए उनके शीघ्र समाधान का भरोसा दिलाया था।

विद्यार्थियों की शिकायतों के समयबद्ध और निष्पक्ष निस्तारण के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने छात्र शिकायत निवारण समिति का गठन किया है। विश्वविद्यालय द्वारा डीएसडब्ल्यू प्रो. प्रमोद कुमार यादव को अध्यक्ष/समन्वयक नियुक्त किया गया है। प्रबंधन अध्ययन संकाय के प्रो. अविनाश डी. पाथर्डीकर, विज्ञान संकाय के प्रो. राजेश शर्मा, इंजीनियरिंग संकाय के प्रो. रजनीश

भास्कर तथा अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान विभाग की डॉ. अन्नू त्यागी को समिति का सदस्य बनाया गया है। इसके अतिरिक्त एलएलएम छात्र सत्र 2026-27 के अभिनव कीर्ति पाण्डेय को विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में समिति में शामिल किया गया है।

समिति विद्यार्थियों की शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए उनके समाधान की प्रक्रिया को सुगम, निष्पक्ष और पारदर्शी बनाएगी। कुलपति की इस संवेदनशील, विद्यार्थी-केंद्रित और उत्तरदायी पहल से विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों में विश्वास का वातावरण मजबूत हुआ है। छात्र शिकायत निवारण समिति के गठन से विद्यार्थियों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए एक संस्थागत और प्रभावी मंच उपलब्ध होगा और छात्रों की समस्याओं का निस्तारण प्राथमिकता पर किया जाएगा।

विद्यार्थियों से प्रतिदिन संवाद करेंगे कुलपति

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने विद्यार्थियों के साथ प्रत्यक्ष संवाद स्थापित करने की एक सराहनीय और विद्यार्थी-केंद्रित पहल की है। मंगलवार एवं शनिवार को यह व्यवस्था लागू नहीं होगी। संवाद का समय प्रत्येक कार्य दिवस में प्रातः 9:00 बजे से 10:00 बजे तक निर्धारित किया गया है। इस व्यवस्था का उद्देश्य विद्यार्थियों की समस्याओं को निकटता से समझना, उनके सुझावों को विश्वविद्यालय के विकास से जोड़ना तथा आवश्यक मामलों में समयबद्ध और संवेदनशील कार्यवाही सुनिश्चित करना है। छात्र-छात्राएँ अपनी शैक्षणिक, प्रशासनिक, छात्रावास, परीक्षा, पुस्तकालय, खेलकूद, छात्र कल्याण तथा विश्वविद्यालय से संबंधित अन्य विषयों पर कुलपति के समक्ष अपनी बात रख सकेंगे।

लगातार पांचवीं बार अरविंद जायसवाल बने श्री राजा बरियार शाह रामलीला कमेटी के अध्यक्ष

66 वर्षों की परंपरा को आगे बढ़ाने का लिया संकल्प, डॉ.राकेश कुमार कन्नौजिया को सचिव की जिम्मेदारी; 8 अक्टूबर से होगा रामलीला मंचन

महुली,सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। दुद्धी विकासखंड के महुली खेल मैदान में रविवार को श्री राजा बरियार शाह रामलीला कमेटी की बैठक सेवानिवृत्त जिला जज राजन चौधरी की अध्यक्षता में हुई। बैठक में पुरानी कमेटी को भंग कर नई कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से गठन किया गया। ग्राम प्रधान महुली अरविंद जायसवाल को लगातार पांचवीं बार अध्यक्ष चुना गया।

नई कार्यकारिणी में वीरेंद्र कन्नौजिया और जितेंद्र जौहरी को उपाध्यक्ष, अमित कुमार कन्नौजिया को कोषाध्यक्ष तथा डॉ. राकेश कुमार कन्नौजिया को सचिव बनाया गया। संजीव जौहरी को मुख्य संरक्षक की जिम्मेदारी दी गई। वहीं बुद्धनाथ कन्नौजिया, मनोज कुमार कन्नौजिया, दिरगज राम कन्नौजिया, शारदा प्रसाद कन्नौजिया, स्नेहमय कन्नौजिया, मुकेश कुमार कन्नौजिया और सुरेंद्र कुमार कन्नौजिया को प्रबंधन की जिम्मेदारी सौंपी गई।

संरक्षक मंडल में रंजना चौधरी, ब्लॉक प्रमुख दुद्धी, भुल्लू राम कन्नौजिया, राजन चौधरी, सुशील गुप्ता, मनोज कुमार कन्नौजिया, रामकेश जायसवाल, राजनाथ गोस्वामी, नथुन सिंह गौड़, विनोद कन्नौजिया, सेकरार अहमद एवं अमानुल्लाह को शामिल किया गया। कार्यकारिणी सदस्य के रूप में राजकपूर कन्नौजिया, मनीष कुमार कन्नौजिया, विजेंदर कन्नौजिया, प्रदीप जायसवाल, श्यामबिहारी कन्नौजिया, राकेश गुप्ता, अनुज कुमार, नंदकिशोर, पवन कुमार, अनूप कुमार एवं अक्षय कुमार को जिम्मेदारी दी गई।

मीडिया प्रभारी के रूप में विवेकानंद मिश्र, सुशील गुप्ता, धर्मेंद्र गुप्ता, डॉ. राकेश कुमार कन्नौजिया, शिवदास शर्मा एवं नितेश कुमार को नामित किया गया। अध्यक्ष अरविंद जायसवाल ने कहा कि महुली में पिछले 66 वर्षों से रामलीला की परंपरा निरंतर चली आ रही है। यह आयोजन क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा है। रामलीला के माध्यम से भारतीय संस्कृति, मयार्दा, संस्कार और आदर्शों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष रामलीला को और अधिक व्यवस्थित एवं भव्य बनाने का प्रयास किया जाएगा।

रामलीला मंडली के व्यास दिलीप कुमार कन्नौजिया एवं महंत दयाराम कन्नौजिया ने बताया कि रामलीला मंचन 8 अक्टूबर 2026 से शुरू होगा और 20 अक्टूबर को विजयादशमी के दिन रावण वध के साथ समापन होगा। बैठक में मंच व्यवस्था, कलाकारों, दर्शकों की सुविधा और आयोजन की तैयारियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। अध्यक्ष ने सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों से आपसी समन्वय के साथ आयोजन को सफल बनाने का आह्वान किया।

संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान को लेकर समन्वय बैठक सम्पन्न

01 से 31 अक्टूबर तक चलेगा संचारी रोग नियंत्रण अभियान, 12 अक्टूबर से दस्तक अभियान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद में संचारी रोगों की रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए 01 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2026 तक संचारी रोग नियंत्रण अभियान तथा 12 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक दस्तक अभियान चलाया जाएगा। अभियान की तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. के निर्देशन में सोमवार को विकास भवन सभागार में अंतर्विभागीय समन्वय बैठक हुई। अध्यक्षता मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया ने की। मुख्य विकास अधिकारी ने सभी विभागों को निर्धारित कार्ययोजना के अनुसार अभियान की गतिविधियां शत-प्रतिशत पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने 27 सितंबर तक कार्ययोजना स्वास्थ्य विभाग में जमा कराने तथा संवेदनशील ग्रामों और मोहल्लों में संचारी रोगों की रोकथाम के लिए सघन निरोधात्मक गतिविधियां संचालित करने को कहा।

पंचायती राज विभाग को ग्राम पंचायतों में झाड़ियों की कटाई, जल निकासी, साफ-सफाई और नियमित निगरानी कराने के निर्देश दिए गए। नगरीय क्षेत्रों में अधिशासी अधिकारियों को सभी वार्डों, मोहल्लों और स्कूलों में सफाई, फॉगिंग तथा एंटीलार्वा रसायन का छिड़काव कराने को कहा गया। बैठक में पिछले अभियान में कुछ ब्लॉकों का संचारी रोग संबंधी फीडबैक राज्य के औसत से कम पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करने तथा इस बार सभी गतिविधियां शत-प्रतिशत कराने के निर्देश दिए गए। पशुपालन विभाग को शूकर पालकों को साफ-सफाई रखने, कीटनाशी रसायन का छिड़काव करने और शूकरों को खुले में न छोड़ने के लिए जागरूक करने को कहा गया। स्वास्थ्य विभाग के अधीक्षक एवं प्रभारी चिकित्सा अधिकारियों को शत-प्रतिशत आशा भ्रमण, लक्षणयुक्त मरीजों का चिन्हीकरण, जनजागरूकता तथा दवाओं, किट एवं प्लेटलेट्स की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। डेंगू एवं अन्य वेक्टर जनित रोगों की रोकथाम के लिए आवश्यक तैयारियां पूरी करने और व्यापक प्रचार-प्रसार कराने पर जोर दिया गया। स्कूलों एवं कॉलेजों में साफ-सफाई, झाड़ियों की कटाई तथा छात्र-छात्राओं को संक्रामक रोगों से बचाव के प्रति जागरूक करने के निर्देश दिए गए। सीडीओ ने सभी विभागों को आपसी समन्वय से अभियान का शुभारंभ कराने तथा अभियान के दौरान होने वाली गतिविधियों की जीपीएस फोटो सहित रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए। बैठक में सीएमओ डॉ. गंगाराम गौतम, डॉ. आलोक कुमार सिंह, जिला मलेरिया अधिकारी सुनील कुमार यादव, बीएसए समीर कुमार सहित स्वास्थ्य, पंचायती राज, शिक्षा, कृषि, पशुपालन, सिंचाई, जल निगम एवं अन्य विभागों के अधिकारी व प्रतिनिधि मौजूद रहे।

शाही किला या जौनपुर फोर्ट? नए नामकरण को लेकर उठे सवाल

डॉ.इम्तियाज अहमद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। ऐतिहासिक पुस्तकों में किला फिरोजशाही और शाही किला जौनपुर सहित विभिन्न नामों से दर्ज तथा आम लोगों के बीच शाही किला के नाम से प्रसिद्ध जौनपुर की ऐतिहासिक धरोहर इन दिनों नए नाम को लेकर चर्चा में है। पिछले एक सप्ताह के दौरान भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) सारनाथ मंडल के निर्देश पर किले परिसर में 'जौनपुर फोर्ट' नाम का नया बोर्ड लगाए जाने के बाद

इतिहासप्रेमियों और स्थानीय लोगों के बीच सवाल उठने लगे हैं। शाही किला जौनपुर के इतिहास को लेकर विभिन्न ऐतिहासिक पुस्तकों और अभिलेखों में अलग-अलग नामों का उल्लेख मिलता है। वहीं, एएसआई अधिकारियों का कहना है कि विभाग के पुराने रिकॉर्ड तथा वर्ष 1920 के गजट में इस स्मारक का नाम 'जौनपुर फोर्ट' दर्ज है। इसी गजट में दर्ज नाम के आधार पर नया बोर्ड लगाया गया है। बताया गया कि संरक्षित स्मारक में किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ अथवा बदलाव पर प्राचीन स्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल और अवशेष अधिनियम, 1958 के तहत कार्रवाई का प्रावधान है। अधिनियम की धारा 30 के तहत नियमों के उल्लंघन पर दंड का प्रावधान भी बताया गया है।

मामले की जानकारी लेने के लिए जब भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, सारनाथ मंडल के अधिकारियों से संपर्क किया गया तो उन्होंने स्पष्ट किया कि पुराने विभागीय रिकॉर्ड और 1920 के गजट में 'जौनपुर फोर्ट' नाम दर्ज होने के कारण उसी के अनुरूप नया बोर्ड लगवाया गया है। हालांकि, किले का नाम बदलकर 'जौनपुर फोर्ट' किए जाने को लेकर स्थानीय स्तर पर चर्चा तेज हो गई है। इतिहासप्रेमियों का कहना है कि शाही किला जौनपुर की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहचान से जुड़ा हुआ नाम है। ऐसे में पुराने ऐतिहासिक नाम और विभागीय अभिलेखों में दर्ज नाम के बीच स्थिति स्पष्ट किए जाने की मांग उठ रही है।

जम्मू-कटरा के लिए 29 सितंबर को रवाना होंगी यूपी और पूर्वांचल की टीमें

बिरला ग्राउंड पहुंचकर ग्राम प्रधान व चौकी इंचार्ज ने बढ़ाया खिलाड़ियों का उत्साह

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। टेनिस बॉल क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में जम्मू-कटरा में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने के लिए उत्तर प्रदेश और पूर्वांचल की टीमें 29 सितंबर को रवाना होंगी। प्रतियोगिता को लेकर खिलाड़ियों में खासा उत्साह है। खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने के लिए रमना ग्राम प्रधान अमित कुमार पटेल और बीएचयू चौकी इंचार्ज सौरभ तिवारी बिरला ग्राउंड पहुंचे। दोनों ने खिलाड़ियों से मुलाकात कर उनका हौसला बढ़ाया और राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दीं।

इस दौरान उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर जीत हासिल करना महत्वपूर्ण है, लेकिन अनुशासन, टीम भावना

और खेल भावना का पालन भी उतना ही जरूरी है। खिलाड़ियों को मैदान पर एकजुट होकर पूरी मेहनत, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच के साथ खेलने का आह्वान किया गया।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश और पूर्वांचल का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ियों के प्रदर्शन के साथ उनका व्यवहार और अनुशासन भी क्षेत्र की पहचान बनता है। इसलिए सभी खिलाड़ी आपसी तालमेल बनाए रखते हुए बेहतर प्रदर्शन करें और खेल के नियमों का सम्मान करें।

उत्तर प्रदेश टीमः कप्तान कार्तिक गुप्ता के साथ विनायक जायसवाल, हर्षित विश्वकर्मा, सूरज यादव, उज्जवल, अंकित, रोहित, सिद्धार्थ, मिलित, ऋषभ, हिमांशु, रौनक और हर्ष शामिल हैं।

पूर्वांचल टीमः कप्तान कृष्णा जायसवाल के साथ प्रथम जायसवाल, आर्यन चौबे, बादल, आयुष चौबे, प्रीतम, सौरभ, वैभव, अनवर, सार्थक, यश सिंह, मयंक और पृथ्वी टीम का हिस्सा हैं।

खिलाड़ियों ने कहा कि वे पूरी तैयारी और आत्मविश्वास के साथ जम्मू-कटरा पहुंचेंगे तथा प्रतियोगिता में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का प्रयास करेंगे। उन्होंने उत्तर प्रदेश और पूर्वांचल की टीम की गरिमा बनाए रखने तथा खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में हिस्सा लेने का संकल्प लिया। 29 सितंबर को दोनों टीमें जम्मू-कटरा के लिए रवाना होंगी, जहां राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में देश के विभिन्न हिस्सों से पहुंचने वाली टीमों के साथ उनका मुकाबला होगा।

केवलानी ग्रुप ने गणपति उत्सव के माध्यम से महाराष्ट्र में बढ़ाया सामुदायिक सहयोग

मुंबई। केवलानी ग्रुप ने गणपति उत्सव के अवसर पर महाराष्ट्र में अपनी सामुदायिक पहुंच का विस्तार करते हुए स्थानीय आयोजनों को खाद्य सामग्री के माध्यम से सहयोग दिया। इस पहल के तहत ग्रुप ने विभिन्न गणपति उत्सव मंडलों और समुदाय-आधारित आयोजनों के साथ-साथ महाभोज एवं सामुदायिक भोजन कार्यक्रमों में भी सहभागिता की। इस पहल के अंतर्गत 51 आउटरीच एंट्रीज में कुल 4,060 किलोग्राम आटे का योगदान किया जा रहा है। इसमें 47 गणपति उत्सव मंडल और छोटे स्तर पर आयोजित गणेश उत्सवों के लिए चार अतिरिक्त योगदान शामिल हैं। स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप, कुछ आयोजनों में केवलानी के ड्राई एवं पैकेज्ड फूड उत्पादों के माध्यम से भी सहयोग दिया जा रहा है। इस पहल का दायरा विभिन्न स्तरों पर आयोजित सामुदायिक गणपति समारोहों तक है, जिसमें नागपुर का राजा, छोटा ताज बाग का राजा, दक्षिणामूर्ति महल का राजा, पंचमुखी गणेश मंडल, विदर्भ गणेश मंडल, एकता गणेश मंडल, नीलकंठ गणेश उत्सव और नेशनल गणेश मंडल सहित अन्य स्थानीय आयोजन शामिल हैं। इस पहल के माध्यम से बड़े सार्वजनिक आयोजनों के साथ-साथ छोटे समुदाय-आधारित गणेश उत्सवों को भी सहयोग दिया जा रहा है। प्रवीण केवलानी, डायरेक्टर, केवलानी ग्रुप ने कहा, सामुदायिक सहभागिता तब अधिक सार्थक होती है, जब वह लोगों की वास्तविक जरूरतों से जुड़ी हो। गणपति उत्सव समुदायों को सहभागिता, साझेदारी और सेवा की भावना के साथ जोड़ता है और भोजन इस सामूहिक अनुभव का स्वाभाविक हिस्सा है। यह पहल केवलानी ग्रुप के व्यापक सामुदायिक जुड़ाव के दृष्टिकोण को दशार्ती है, जिसमें खाद्य एवं आवश्यक वस्तुओं के माध्यम से स्थानीय और सांस्कृतिक पहलों में व्यावहारिक योगदान को प्राथमिकता दी जाती है। इससे पहले इस वर्ष ग्रुप ने जगन्नाथ रथ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं, स्वयंसेवकों और सेवा से जुड़े लोगों के लिए खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने में सहयोग किया था। पूनम केवलानी, हेड ऑफ मार्केटिंग, केवलानी ग्रुप ने कहा,ह्वभोजन का संबंध केवल किसी उत्पाद से नहीं, बल्कि समुदाय, परंपराओं और रोजमर्रा के रिश्तों से भी है। गणपति उत्सव हमें अपनी श्रेणी से जुड़े एक ऐसे तरीके से योगदान करने का अवसर देता है, जो समुदायों के लिए प्रासंगिक और उपयोगी हो। हमारा ध्यान केवल योगदान के पैमाने पर नहीं

क्सेस लाइफ की पहल पर कैंसर से जूझ रहे बच्चों के लिए इस्कॉन-खारघर स्वर्णिम रोशनी से जगमगाया

पनवेल/खारघर। बाल कैंसर जागरूकता माह के अवसर पर क्सेस लाइफ असिस्टन्स फाउंडेशन की पहल पर पनवेल स्थित इस्कॉन-खारघर 19 सितंबर 2026 को स्वर्णिम रोशनी से जगमगा उठा। इस पहल का उद्देश्य कैंसर से जूझ रहे बच्चों और उनके परिवारों को सहयोग प्रदान करने के साथ-साथ बाल कैंसर के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना था। इस विशेष स्वर्णिम प्रकाश प्रज्वलन कार्यक्रम में कैंसर से जूझ रहे बच्चे, उनके माता-पिता एवं देखभालकर्ता, स्वास्थ्य क्षेत्र के विशेषज्ञ, स्वयंसेवक, गैर-सरकारी संस्थाएं और सामाजिक समर्थक शामिल हुए। स्वर्णिम रोशनी के माध्यम से आशा, साहस, दृढ़ता और मानवता का संदेश दिया गया। इस अवसर पर क्सेस लाइफ असिस्टन्स फाउंडेशन के मुंबई केंद्र की केंद्र प्रबंधक रसिका साकपाळ ने कहा, बाल कैंसर का सामना कर रहे किसी भी बच्चे या परिवार को यह सफर अकेले नहीं तय करना चाहिए। यह स्वर्णिम रोशनी कठिन समय में आशा का प्रतीक है। हर छोटी मदद, देखभाल और सहयोग बच्चे के जीवन में बड़ा सकारात्मक बदलाव ला सकता है। 2014 में स्थापित क्सेस लाइफ असिस्टन्स फाउंडेशन भारत के ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों से कैंसर के इलाज के लिए आने वाले आर्थिक रूप से वंचित बच्चों की सहायता करता है। देशभर में 15 केंद्रों के माध्यम से बच्चों और उनके देखभालकताओं को निःशुल्क आवास, पौष्टिक आहार, परिवहन, शिक्षा, परामर्श और भावनात्मक सहयोग उपलब्ध कराया जाता है। इस पहल के माध्यम से समाज के लोगों और संस्थाओं से कैंसर से जूझ रहे बच्चों और उनके परिवारों की मदद के लिए आगे आने का आह्वान किया गया।

साहित्य सेवा के लिए डॉ. दिनेश रामनरेश सिंह को दो प्रतिष्ठित सम्मान

भिवंडी। साहित्य और समाजसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए डॉ. दिनेश रामनरेश सिंह को वर्ष 2026 के दो प्रतिष्ठित सम्मानों से सम्मानित किया गया। उन्हें भारतीय पद्म भूषण अवार्ड 2026 तथा ह्वसाहित्य सेवा रत्न सम्मान 2026 प्रदान किया गया। दोनों सम्मान 19 सितंबर को नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय विज्ञान केंद्र में आयोजित समारोह में बॉलीवुड अभिनेता पृथ्वी वजीर के हाथों प्रदान किए गए। एक ही अवसर पर दो सम्मान मिलने पर डॉ. सिंह ने आयोजकों और शुभचिंतकों के प्रति आभार व्यक्त किया। डॉ. सिंह लंबे समय से साहित्य और सामाजिक क्षेत्र से जुड़े कार्यों में सक्रिय हैं। उनके योगदान को देखते हुए उन्हें यह सम्मान प्रदान किया गया। सम्मान समारोह में साहित्य, कला और समाजसेवा क्षेत्र से जुड़े अनेक लोग उपस्थित रहे। सम्मान प्राप्त करने के बाद डॉ. सिंह ने कहा कि ये पुरस्कार उनके लिए केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि साहित्य और समाज के प्रति निरंतर कार्य करने की प्रेरणा हैं। उन्होंने कहा कि साहित्य के माध्यम से समाज में सकारात्मक सोच, मानवीय मूल्यों और सेवा भावना को मजबूत करने का प्रयास आगे भी जारी रहेगा। डॉ. सिंह को दो प्रतिष्ठित सम्मान मिलने पर उनके समर्थकों, साहित्यकारों और शुभचिंतकों ने बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मुंबई महानगरपालिका द्वारा गणपति विसर्जन की भव्य व्यवस्था

मुंबई। बृहन्मुंबई महानगरपालिका जी-दक्षिण विभाग की सहायक आयुक्त श्रीमती पद्मजा क्षीरसागर के मार्गदर्शन एवं स्वास्थ्य चिकित्सा अधिकारी डॉ विरेन्द्र वी. मोहिते के संयोजन तथा समाज विकास अधिकारी राजेश सुरवाडे, वरिष्ठ स्वच्छता अधिकारी राजेश सावंत, डॉ अमोल दरोंड़, डॉ मनिष सार्दुल के आयोजन में भव्य गणेश विसर्जन व्यवस्था की गई। विभाग के सभी ठिकानों पर नागरिकों के सुविधानुसार गणेश विसर्जन हेतु वैकल्पिक व्यवस्था एवं समुद्र किनारे पी बालूजेट्टी मार्ग, नरीमन भट्ट जेट्टी, तरे गल्ली, बैटरी जेट्टी वरली कोलीवाडा, लोटस जेट्टी, क्लैवलैंड जेट्टी वरली गांव, चवन्नी गल्ली,आदर्श नगर स्पोर्ट्स मैदान, बाबासाहेब वर्लीकर मैदान,जाबोंरी मैदान, सफेद मैदान, हाजीअली स्टाफ क्वार्टर, सुनीता नलावडे मैदान, डॉ बाबासाहेब अम्बेडकर म्युनिसिपल स्कूल और एम एच कंपाउंड मैदान जैसे ठिकानों पर भव्य व्यवस्था में नागरिकों ने विसर्जन किया। उक्त सार्वजनिक गणेश विसर्जन में जी दक्षिण के सभी विभागों ने अपना सहयोग दिया। अधिकारियों एवं कर्मचारियों में प्रमुख रूप से डा युक्ता सावंत, डॉ संगीता अढ़ाव, डॉ सीमा नवरेकर, डॉ महेश, डॉ प्रज्योत चौव्हाण, डॉ अनीता रेड्डी, डॉ अमन मर्चंट, डॉ हर्षदाजगधाने, डॉ प्रिया मुंजेवार, डॉ मधुरा बागले, डॉ कल्पना पाण्डेय, डॉ अजय कोल्हेकर, डॉ पल्लवी राठौड़, डॉ भावना गावीत, डॉ रुबिना खलिफा, डॉ ब्लेसी, डॉ यश जाधव, डॉ अंकित गुप्ता, डॉ राजीव केंगर, डॉ स्वप्निल भिंगारे, डॉ गणेश बर्वे,सचिन राठौड़, विनयकुमार शर्मा, रघुनाथ दुधम, श्यामखोबरागड़े, किरण सोनावने, अमित कुमार शिंदे, रवि गुरव, प्रवीण जाधव, रविन्द्र पाटील, नवीन चोपड़े, सुनील कर्पे, संतोष खांबे,हीरा वसावे, भारती पेडणेकर, श्रेया जांभले,सुरेश लक्ष्मण पडलकर,वसंत रामू वास्कर, राजेश भोसले, सिद्दीकी अयान, WPC दिवेकर साहेब, अरक साने दादर पोलिस, सिद्धि चव्हाण, अनिकेत जाधव, विष्णु सांगले, चंद्रकांत सागरे, संतोष प्रभुलकर , सिद्धेश पाटील, सांगले विश्वनाथ जैसे सैकड़ों कर्मचारियों एवं अधिकारियों का विशेष योगदान रहा।

मंगल मूर्ति मित्र मंडल ने श्रद्धा के साथ किया गणेश विसर्जन

नालासोपारा। प्रगति नगर स्थित हाई टेंशन रोड के गुलशन अपार्टमेंट में मंगल मूर्ति मित्र मंडल द्वारा गणपति बप्पा की पूजा-अर्चना एवं गणेश विसर्जन कार्यक्रम श्रद्धा और उत्साह के साथ आयोजित किया गया। इस अवसर पर मंडल के कार्यकताओं एवं स्थानीय श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर भगवान श्री गणेश को भावपूर्ण विदाई दी। विसर्जन के दौरान श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिला। भक्तों ने गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ के जयघोष के साथ बप्पा को विदाई दी। पूरे आयोजन के दौरान मंडल के कार्यकताओं ने व्यवस्थाओं में सहयोग करते हुए श्रद्धालुओं की सहायता की और कार्यक्रम को सुचारु रूप से संपन्न कराने में योगदान दिया। इस अवसर पर अशोक साहू, राहुल पटवा, आर्यन साहू, विजय वर्मा, दिनबंदू पांडेय, प्रशांत मिश्रा, रामदुलार प्रजापति, संजय प्रजापति, अजय शर्मा, तेज बहादुर शर्मा, गौतम सहनी, राहुल सहनी, रामदर्श सरोज एवं राजकुमार गौड सहित मंडल के अन्य कार्यकर्ता एवं श्रद्धालु मौजूद रहे।

कबूतरखानों की आड़ में महाराष्ट्र के मूल मुद्दों से ध्यान भटकाने की साजिश बर्दाश्त नहीं

मुंबई। मुंबई में कबूतरखानों को लेकर पिछले कुछ दिनों से विवाद जारी है। इसी बीच जैन मुनि निलेशचंद्र ने विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर से मुलाकात कर सभी कबूतरखानों को दोबारा शुरू करने की मांग की है। साथ ही मांग पूरी नहीं होने पर अनशन करने की चेतावनी दी है। इस मामले को लेकर मराठी एकीकरण समिति के अध्यक्ष गोवर्धन देशमुख ने आरोप लगाया कि कबूतरखानों के मुद्दे को आगे कर मराठी-गुजराती विवाद पैदा करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इसके जरिए महाराष्ट्र के मूल मुद्दों से लोगों का ध्यान हटाने की कोशिश की जा रही है और समिति इसे बर्दाश्त नहीं करेगी।

देशमुख ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर से अपील की कि वे निलेशचंद्र की मांग के दबाव में न आएं। उन्होंने बताया कि समिति की ओर से मुख्यमंत्री और नार्वेकर से मुलाकात कर इस संबंध में ज्ञापन सौंपा जाएगा।

देशमुख ने कहा कि नागरिकों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए कबूतरखाने बंद रहना चाहिए। उन्होंने कबूतरों को दाना खिलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने, जुमार्ना बढ़ाने और नियमों का उल्लंघन करने पर मामले दर्ज करने की मांग की। उनका कहना है कि कबूतरों को प्राकृतिक रूप से भोजन तलाशने देना चाहिए और उन्हें लगातार दाना खिलाकर निर्भर नहीं बनाया जाना चाहिए। देशमुख ने आरोप लगाया कि निलेशचंद्र के माध्यम से सरकार पर दबाव बनाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कबूतरखानों के मुद्दे को राजनीतिक रंग देकर महाराष्ट्र की सामाजिक व्यवस्था को प्रभावित करने का प्रयास नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि इस मुद्दे के जरिए महाराष्ट्र के मूल प्रश्नों से ध्यान भटकाने की कोशिश जारी रही, तो मराठी एकीकरण समिति आंदोलन करेगी। देशमुख ने राज्य सरकार से नागरिकों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए कबूतरखानों के संबंध में उचित निर्णय लेने की मांग की।

दुर्गाभवन में विराजमान गणपति बप्पा का नम आंखों से विसर्जन

मीरारोड। गणेशोत्सव के पांचवें दिन मीरारोड स्थित दुर्गा भवन में स्थापित गणपति बप्पा का विधि-विधान से पूजन-अर्चन के बाद नम आंखों से विसर्जन किया गया। विसर्जन से पूर्व सत्यनारायण कथा का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया।

प्रसिद्ध समाजसेवी एवं उद्योगपति संजय मिश्रा के मीरारोड स्थित दुर्गा भवन निवास पर स्थापित गणपति बप्पा की पूरे विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। इसके बाद शाम को श्रद्धालुओं ने भावपूर्ण वातावरण में गणपति बप्पा को विदाई दी। इस अवसर पर पूर्व विधायक मीरा-भायंदर गीता भरत जैन, नगरसेवक नवीन सिंह, शिवसेना शिंदे गुट के नेता आशीष दूबे, सभासद अतुल सिंह, हाईकोर्ट अधिवक्ता संजीव मिश्रा, परशुराम सेना के उपाध्यक्ष राजेश पाण्डेय, रमेश सिंह, अन्नू सिंह, पत्रकार मानवेंद्र सिंह माना, पत्रकार अविनाश पांडेय, अखिलेश तिवारी, आशीष तिरोडकर, अधिवक्ता शिंदे जी, अजय चतुर्वेदी, अनूप ओझा, जगदीश प्रसाद पाण्डेय, मधु मेनन, सर्वेश मिश्रा, मनोज द्विवेदी, अमीन भाई, अमित पाण्डेय, अनमोल, डॉक्टर राजपूत, करीम भाई, निलेश राणा, नूर खान, प्रदीप टंडन, प्रवीण मुकुर्टे, विजय मिश्रा, पंकज जैन, सुरेश बाबू, धरम भाई, रूप नारायण चौधरी, आलोक शुक्ला, योगेश तिवारी, पंकज शुक्ला, विजय शंकर दूबे, राहुल मिश्रा, कोठारी, संदेश श्रीवास्तव सहित हजारों श्रद्धालु एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे। पूरे आयोजन के दौरान भक्तिमय माहौल बना रहा। गणपति बप्पा के विसर्जन के समय श्रद्धालुओं की आंखें नम हो गईं और सभी ने अगले वर्ष पुनः आगमन की कामना के साथ बप्पा को विदाई दी।

श्रीमती दुर्गावती तिवारी का प्रथम पुण्यतिथि संपन्न

-जगदीश तिवारी

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश जनपद जौनपुर , थाना मुंगरा बादशाहपुर, पोस्ट पवांरा बजार, ग्राम चेतरिया (बनकट) निवासी श्रीमती दुर्गावती कमला तिवारी का प्रथम पुण्यतिथि पर ब्रम्हभोज 20 सितंबर 2026 दिन रविवार को शाम 7 बजे से लेकर रात्रि 10बजे तक विरार पूर्व में शुभ मंगल हॉल मनवेल पाड़ा, एम नारिया हाऊस विष्णु विहार कम्पलेक्स, कारगिल नगर विरार पूर्व में आयोजित किया गया। इस आयोजन में बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे। दैनिक उत्तरशक्ति के शुभचिंतक जगदीश माताशरन तिवारी की काकी (मौसी) थी। बड़े भाई राजेन्द्र तिवारी, जगदीश तिवारी, राकेश तिवारी, नाती राजेश तिवारी (अफ्सर तिवारी), मनोज तिवारी, सुरज तिवारी, अभिषेक तिवारी, अवनीश तिवारी (आम्बुज), संतोष तिवारी (चंचल), जयप्रकाश त्रिपाठी, वरिष्ठ पत्रकार मुकेश त्रिपाठी सहित सभी लोगों ने प्रार्थना कर उन्हें याद किया और भावपूर्ण श्रद्धांजलि देते हुए पुष्प अर्पित की।

पालघर से अंबरनाथ स्टेशन पहुंची 10 वर्षीय बच्ची माता-पिता को सुपुर्द

मुंबई। पालघर के नायगांव क्षेत्र से लापता हुई 10 वर्षीय नाबालिग बच्ची को अंबरनाथ रेलवे पुलिस ने सुरक्षित बरामद कर उसके माता-पिता के सुपुर्द कर दिया। बच्ची के लापता होने की शिकायत नायगांव (पालघर) पुलिस थाने में दर्ज कराई गई थी। जानकारी के अनुसार, 20 सितंबर की रात करीब 12.20 बजे अंबरनाथ रेलवे स्टेशन पर पेट्रोलिंग ड्यूटी पर तैनात होमगार्ड जितेंद्र बालिराम भोईर और आनंदा सखाराम कोपरे को बच्ची मिली। उन्होंने बच्ची को स्टेशन ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों साठे और वारघड़े के सुपुर्द किया। इसके बाद बच्ची को अंबरनाथ रेलवे पुलिस थाने लाया गया।

इस दौरान रात्रि पाली के प्रभारी अधिकारी धुमाले ने बच्ची से पूछताछ की। महिला पुलिसकर्मियों की मदद से उसके स्कूल का नाम और अन्य जानकारी हासिल की गई। इसके बाद नायगांव पुलिस थाने के अधिकारियों से संपर्क कर बच्ची का फोटो भेजकर जानकारी प्राप्त की गई। नायगांव पुलिस से पता चला कि बच्ची के माता-पिता ने उसी रात उसके लापता होने की शिकायत दर्ज कराई थी। इसके बाद पुलिस ने बच्ची के माता-पिता शिखा रवि सिंह, निवासी साईनक्लेव, नायगांव पूर्व, से संपर्क किया। माता-पिता महिला पुलिसकर्मियों के साथ अंबरनाथ रेलवे पुलिस थाने पहुंचे। रेलवे पुलिस ने आवश्यक जांच कर यह सुनिश्चित किया कि वे बच्ची के माता-पिता ही हैं।इसके बाद बच्ची को उसके माता-पिता तथा नायगांव पुलिस थाने की महिला पुलिसकर्मी गोळवे के सुपुर्द कर दिया गया। बच्ची के सुरक्षित मिलने पर उसके माता-पिता ने अंबरनाथ रेलवे पुलिस का आभार व्यक्त किया।

गणपति बप्पा के दरबार में भवन निमार्ता मनीष दुबे का सम्मान

भायंदर। महाराष्ट्र में चल रहे गणेशोत्सव के बीच भायंदर पूर्व के इन्द्रलोक फेस 2 में सात इमारतों के बीच जय भवानी मित्र मंडल द्वारा स्थापित गणपति बप्पा के दरबार में जेएसबी/एनजी ग्रुप के डायरेक्टर मनीष दुबे का स्थानीय रहवासियों की तरफ से सम्मान किया गया।गणेशोत्सव मंडल की तरफ से मंडल अध्यक्ष अमित मोरे तथा एडवोकेट भक्ति ठाकुर ने उनका सम्मान किया। इस अवसर पर छोटे भाई तथा एनजी ग्रुप के डायरेक्टर नीतीश दुबे भी उपस्थित रहे। एनजी ग्रुप द्वारा यहां की सात इमारतों का पुनर्विकास किया जा रहा है। बिल्डर द्वारा किए जा रहे अच्छे कार्यों को देखते हुए स्थानीय रहिवासियों द्वारा उनका सम्मान किया गया। भवन निमार्ता मनीष दुबे तथा नीतीश दुबे ,मीरा भायंदर के प्रख्यात समाजसेवी,व्यवसाई तथा भाजपा नेता राजेश मिश्रा के भांजे हैं। इस अवसर पर अनेक प्रतिष्ठित लोग उपस्थित रहे।

शिक्षित और संगठित समाज ही मजबूत भविष्य की नींव: डॉ. अभिषेक रावत

मुंबई। शिक्षा, जागरूकता और संगठन किसी भी समाज की प्रगति के सबसे मजबूत आधार हैं। जब समाज का प्रत्येक बच्चा शिक्षित और युवा जागरूक होगा, तभी सामाजिक और आर्थिक मजबूती का रास्ता खुलेगा। यह बात भारतीय जनता पार्टी, काशी क्षेत्र के प्रांतीय मंत्री एवं भाजपा उत्तर प्रदेश अनुसूचित मोर्चा के शोध एवं नीति प्रमुख डॉ. अभिषेक रावत पासी ने रविवार को मुंबई में अखिल भारतीय पासी विकास मंडल द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में कही। घाटकोपर (पश्चिम) स्थित पारसीवाड़ी में आयोजित इस कार्यक्रम में तीन दिवसीय मुंबई प्रवास पर आए डॉ. रावत का संस्था की ओर से सम्मान किया गया। इस दौरान पासी समाज की एकजुटता, सामाजिक उत्थान, शिक्षा, युवाओं की भूमिका तथा संगठन को मजबूत करने सहित विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श हुआ। डॉ. रावत ने कहा कि वह मुंबई प्रवास के दौरान पासी समाज के विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों और प्रतिनिधियों से मुलाकात कर रहे हैं। इन मुलाकातों का उद्देश्य समाज के लोगों को मुख्यधारा से जोड़ने तथा सामाजिक उत्थान के लिए सामूहिक प्रयासों को आगे बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि समाज की वास्तविक प्रगति केवल आर्थिक संसाधनों से नहीं, बल्कि शिक्षा और जागरूकता से संभव है। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी और समाज के बच्चे ही भविष्य के भाग्यविधाता और राष्ट्र निमार्ता हैं। इसलिए उनकी शिक्षा, संस्कार और व्यक्तित्व विकास पर विशेष ध्यान देना समय की आवश्यकता है। जब समाज का प्रत्येक बच्चा शिक्षित होगा, तभी आर्थिक आत्मनिर्भरता बढ़ेगी और समाज का समग्र विकास संभव होगा। उन्होंने समाज के सभी वर्गों से आपसी मतभेदों से ऊपर उठकर शिक्षा और संगठन के माध्यम से सामाजिक उत्थान के लिए एकजुट होकर काम करने का आह्वान किया। इस अवसर पर संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. वीरेंद्र पासी, पूर्व अध्यक्ष मिठाईलाल सरोज, इंजीनियर सरोज, हरिलाल मास्टर, दुर्गेश सरोज, उमापति पासी, एस. प्रसाद सरोज, प्रकाश पासी, डॉ. सभाजीत पासी, इंदल सरोज, अनिल पासी, शैलेश सरोज, सुरेशचंद सरोज, नंदलाल सरोज, जनार्दन पासी, जयप्रकाश पासी, कमलेश सरोज, बबीता सरोज, राकेश रावत और पत्रकार शीतला प्रसाद सरोज सहित बड़ी संख्या में संस्था के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

BVG इंडिया को चंबल रिवरफ्रंट पर सस्टेनेबल शहरी जीवन और पर्यटन के लिए एक डेस्टिनेशन विकसित करने का कॉन्ट्रैक्ट मिला

पुणे। BVG इंडिया लिमिटेड को राजस्थान में चंबल रिवरफ्रंट के किनारे दो जगहों, चंबल गार्डन रीडेवलपमेंट प्रोजेक्ट और भितारिया कुंड गार्डन, के इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट और सौंदर्यीकरण का काम सौंपा गया है। ये प्रोजेक्ट मिलकर ऐसी पब्लिक जगहें बनाने की दिशा में एक कदम हैं जिनका मकसद पर्यटन को बढ़ावा देना, विरासत को बचाना, पर्यावरण की सस्टेनेबिलिटी को मजबूत करना और शहरी जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाना है। पूरे भारत में, रिवरफ्रंट शहरी कायाकल्प के लिए उत्प्रेरक के रूप में उभर रहे हैं। मनोरंजन की जगहों से कहीं ज्यादा, ये ऐसी पब्लिक डेस्टिनेशन बन रहे हैं जिनका मकसद कम्युनिटी जुड़ाव को बढ़ावा देना, बायोडायवर्सिटी में सुधार करना, स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं को मजबूत करना और लोगों को प्रकृति से फिर से जोड़ना है। चंबल रिवरफ्रंट प्रोजेक्ट्स का मकसद हरे-भरे, रहने लायक और लोगों पर केंद्रित शहर बनाने के इस बदलते नजरिए को दिखाना है। लगभग 22 एकड़ में फैलाए चंबल गार्डन रीडेवलपमेंट प्रोजेक्ट एक मनोरंजन और पर्यटन डेस्टिनेशन के रूप में काम करेगा जो निवासियों और पर्यटकों दोनों के लिए शानदार अनुभव प्रदान करेगा।

रीडेवलपमेंट में लैंडस्केप वाले रास्तेए गजेबोए कृत्रिम जलाशयए लक्ष्मण झूला से प्रेरित सस्पेंशन ब्रिजए एक पैनोरमिक ग्लास ब्रिजए इमर्सिव लाइट और साउंड शो के साथ प्रोजेक्शन मैपिंगए रेस्तरांए बच्चों के खेलने के जोनए एडवेंचर एक्टिविटी एरियाए एक योग पार्कए एक मियावाकी अर्बन फॉरेस्टए आधुनिक पार्किंग सुविधाएँए आर्किटेक्चर के हिसाब से डिजाइन किए गए प्रवेश द्वार और व्यापक लैंडस्केपिंग और लाइटिंग शामिल होने की उम्मीद है।

इस डेवलपमेंट पर बात करते हुए BVG इंडिया लिमिटेड की सीईओ रूपल सिन्हा ने कहा, भारत के शहर इस बात को नए सिरे से परिभाषित कर रहे हैं कि पब्लिक स्पेस शहरी जीवन की क्वालिटी में कैसे योगदान देते हैं। हमारा मानना है कि रिवरफ्रंट अब सिर्फ. मनोरंजन की जगहें नहीं रह गई हैंय वे ऐसी जगहें बन रही हैं जो विरासत को बचाती हैंए टूरिज्म को बढ़ावा देती हैंए पर्यावरण की सस्टेनेबिलिटी को बेहतर बनाती हैं और मजबूत समुदायों का निर्माण करती हैं। चंबल रिवरफ्रंट प्रोजेक्ट्स के जरिए हम इस विजन में योगदान देना चाहते हैं। हमारी कोशिश ऐसी जगहें बनाने की है जो देखने में शानदार होंए पर्यावरण के प्रति ज़िम्मेदार हों और आने वाली पीढ़ियों के काम आ सकें।

इंदौर में सड़क धंसी, 10 फीट गहरा हुआ गड्ढा

इंदौर (उत्तर शक्ति)। इंदौर में सोमवार सुबह राजवाड़ा के पास पंढरीनाथ थाने के सामने सीमेंटेड सड़क का बड़ा हिस्सा धंस गया। सड़क धंसने की सुचना सुबह लगभग 10 बजे नगर निगम को मिली इसके बाद निगम की टीम जेसीबी लेकर मौके पर पहुंची। 10 फीट से ज्यादा गहरा गड्ढा हो गया। गनीमत रही कि इस दौरान कोई वाहन इस सड़क से नहीं गुजर रहा था, जिससे कोई हादसा नहीं हुआ। सड़क बैठने से 10 फीट गहरा गड्ढा हुआ है। यह घटना तब हुई जब अधिकारी अनंत चतुर्दशी की झांकियों के मार्ग का निरीक्षण कर रहे थे। इसका कारण नर्मदा पाइपलाइन का पुराना काम माना जा रहा है।

अधिकतर परिवारों को लंबे समय की दवाओं पर होने वाले खर्च का पूरा अंदाजा नहीं

ठाणे। ज्यादातर परिवार किराने के खर्च का हिसाब रखते हैं, लेकिन दवाओं पर हर महीने कितना खर्च होता है, यह बहुत कम लोग बता पाते हैं, भले ही यह बिल सालों तक हर महीने आता रहे। अफोर्डेबल क्रॉनिक मेडिकेशंस प्लेटफॉर्म प्लैटिनमआरएक्स के मुताबिक, इस अनदेखी की वजह से भारतीय परिवारों को अंदाजे से कहीं ज्यादा खर्च उठाना पड़ रहा है। अगर हर महीने 5,000 रुपये डायबिटीज या हाइपरटेंशन की दवाओं पर खर्च हो रहे हैं, तो सालाना यह रकम 60,000 रुपये बैठती है। छोटी-छोटी मासिक किस्तों में होने के कारण अक्सर इस पर सवाल नहीं उठता। प्लैटिनमआरएक्स जीएमपी-सर्टिफाइड मैन्युफैक्चरर्स से सीधे समान साल्ट वाली दवाएं लेकर डिस्ट्रीब्यूटर और स्टॉकिस्ट का मार्जिन हटाता है। इससे खर्च 60% तक कम हो सकता है, यानी 5,000 रुपये का महीना करीब 2,000 रुपये में सिमट सकता है। प्लैटिनमआरएक्स के को-फाउंडर आशुतोष पांडेय ने कहा, ज्यादातर परिवारों को यह पता ही नहीं चलता कि किसी क्रॉनिक बीमारी पर साल भर में कितना खर्च हो रहा है। हमने प्लैटिनमआरएक्स इसलिए शुरू किया, ताकि यह रकम उनके लिए न तो चौंकाने वाली हो और न ही बोझ बने। 2023 में आईआईटी और आईआईएम के पूर्व छात्रों आशुतोष पांडेय और पीयूष कुमार ने प्लैटिनमआरएक्स की शुरूआत की थी। कंपनी फार्मास्युटिकल मैन्युफैक्चरर्स के साथ सीधे काम करती है और लंबे समय के इलाज की लागत बढ़ाने वाले बिचौलियों को हटाने पर जोर देती है। डॉक्टर द्वारा लिखी गई दवा का ब्रांड बदलने से पहले डॉक्टर की सलाह जरूर लें, खासकर क्रॉनिक या जटिल बीमारी के इलाज के दौरान।

क्रॉम्पटन ने लॉन्च की नई वॉलस्माइल आउटडोर डेको वॉल लाइट रेंज

रांची। क्रॉम्पटन ग्रीव्स कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड ने आधुनिक आउटडोर स्पेस की खूबसूरती और उपयोगिता बढ़ाने के लिए अपनी नई वॉलस्माइल आउटडोर डेको वॉल लाइट रेंज लॉन्च की है। यह रेंज स्टाइलिश डिजाइन, टिकाऊपन और भरोसेमंद आउटडोर परफॉर्मेंस को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। रेंज में वॉलस्माइल हालो (5वाट), प्रिज्म (4वाट), नेक्सो (5वाट) और लीनिया (6वाट) शामिल हैं। इन्हें बालकनी, पोर्च, पूलसाइड, लॉबी और पार्किंग एरिया जैसे विभिन्न आउटडोर स्पेस के लिए उपयुक्त बनाया गया है। यह रेंज एक साल की वारंटी के साथ आती है। लॉन्च पर क्रॉम्पटन के लाइटिंग, सोलर रूफटॉप एवं वायर्स बिजनेस यूनिट के हेड शालीन नायक ने कहा, वॉलस्माइल रेंज के साथ हमारा उद्देश्य आधुनिक डिजाइन और भरोसेमंद आउटडोर परफॉर्मेंस को एक साथ लाना है।

अडानी फाउंडेशन के उत्थान कार्यक्रम ने युवा प्रतिभा को शिक्षा और खेल में उत्कृष्टता दिलाई

पटना। अडानी पोर्टफोलियो की सीमेंट एवं निर्माण सामग्री कंपनी एसीसी अडानी फाउंडेशन के साथ मिलकर युवाओं को सामाजिक और आर्थिक चुनौतियों से उबरने तथा अपनी पूर्ण क्षमता हासिल करने में सहयोग प्रदान कर रही है। पूर्वी देवांगन का जन्म एक आर्थिक रूप से सीमित परिवार में हुआ। शिक्षा जारी रखने के साथ-साथ खेलों में अपने सपनों को साकार करना उनके लिए आसान नहीं था। उनके पिता दर्जी के रूप में कार्य करते हैं, जबकि उनकी माता कालीन बुनाई से परिवार की आय में योगदान देती हैं। ऐसे में पढ़ाई और प्रतिस्पर्धी कराटे प्रशिक्षण के बीच संतुलन बनाए रखना उनके लिए लगातार चुनौतीपूर्ण रहा। अडानी फाउंडेशन के उत्थान कार्यक्रम के माध्यम से पूर्वी को निरंतर शैक्षणिक सहयोग, मार्गदर्शन और प्रेरणा प्राप्त हुई, जिसने उन्हें सीखने की कमियों को दूर करने, आत्मविश्वास बढ़ाने और अपने लक्ष्यों पर केंद्रित रहने में मदद की। उत्थान कार्यक्रम के शिक्षकों के मार्गदर्शन ने उन्हें बोर्ड परीक्षा की तैयारी और कठोर खेल प्रशिक्षण के बीच प्रभावी संतुलन स्थापित करने में सहायता की।